फालगुन कृष्ण पक्ष षष्ठी, संवत् 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 235 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
19 फरवरी 2025 बुधवार

आज का मौसम
29 अधिकतम
17 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

# दोपहर मेट्रो

Page-7

# शेर की खाल में छुपे भारत विरोधी भेड़ियों के चेहरे होने लगे उजागर

## ट्रंप की सरकार आते ही बंद होने लगी डीप स्टेट के वामपंथियों की रसद पानी

डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका की कमान संभालने के साथ ही न सिर्फ भारत बल्कि उसके पड़ोसी मुल्कों पाकिस्तान, बांगलादेश, शीलंका के साथ ही यूक्रेन, ब्रिटेन, सीरिया जैसे कई देशों में अस्थिरता पैदा करने , अराजकता का माहौल बनाने और वहां उथलपुथल पैदा करके वहां की सरकारों को अपदस्थ करने जैसी साजिशों का भांडाफोड़ होने लगा है। इसके मूल में अमेरिकी सरकार का वह विभाग है जिसे यूएसएड के नाम से जाना जाता है। यूएसएड यानि यूनाईटेड स्टेट एजेंसी फार इंटरनेशनल डेव्लपमेंट। यूएसएड मूलत- अमोरिकी प्रशासन ने विश्व के पिछड़े मुल्कों में मलेरिया, पोलियो उन्मूलन के साथ ही गर्भवती महिलाओं की मौतों को रोकने जैसे सामजिक और सेहत से जुड़े सरोकारों के लिए बनाया गया था। लेकिन इसका दुरूपयोग भारत सहित कई मुल्कों के खिलाफ साजिश रचने में होने लगा। ट्रंप प्रशासन ने यूएसएड के बजट को रोकने के साथ ही उसकी धनराशि के दुरूपयोग की जांच शुरू कर दी है। डीपस्टेट की घुसपैठ को समाप्त करने के लिए बड़े पैमाने पर उन कर्मचारियों की छंटनी का काम शुरू कर दिया है जो इसका बेजा इस्तेमाल कर रहे थे। इससे यूएसएड के पैसों पर पलने वाले विदेशी एनजीओ और उनकी मदद से भारत सहित कई मुल्कों में अराकता के हालात पैदा करने पर आमादा संगठनों पर लगाम लग सकती है।

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

यूं तो यह सिलसिला 1982 से चल रहा है। डेविड हाफमैन ने डीपस्टेट को खड़ा किया। फिर यूएसएड में घुसपैठ करके कई देशों के एनजीओ को यूएसएड की पैसा देकर अराजकता फैलाने के आपरेशन चालू कर दिए थे। लेकिन बीते कुछ सालों में अमेरिका में बाईडेन जैसे कमजोर राष्ट्रपति की सरकार बनने के बाद उनके कंधों पर डीप स्टेट के वामपंथी समूह भारी साबित होने लगे। यूएसएसएड के जरिए 26 करोड़ डालर की रकम निकालकर कई संगठनों को दी गई। इससे लाभान्वित होने वालों में फोर्ड फाऊंडेशन सहित कई संस्थाओं के जरिए यह पैसा भारत में महबूबा मुफ्ती से लेकर केजरीवाल, कन्हैया कुमार जैसे नेताओं को ही नहीं आया बल्कि ग्लोबल इंवेस्टिंग जर्नलिस्ट नेटवर्क जैसी

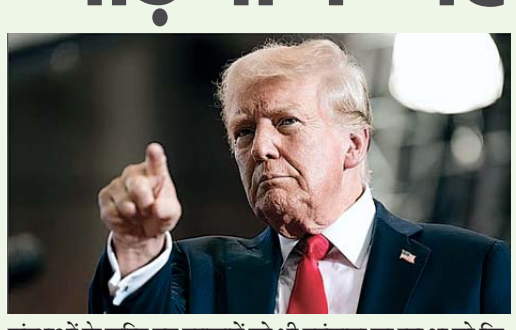

संस्थाओं के जरिए उन पत्रकारों को भी पहुंचाया जा रहा था जो कि वामपंथी विचारधारा को आगे बढ़ाने तथा गलत खबरें फैलाकर प्रधानमंत्री नरेंद्री मोदी के साथ ही भाजपा शासित सरकारों को बदनाम करने की साजिशें करने के लिए ट्रेंड किया गया।

द क्रोनोलॉजी नामक संस्था ने जिन फाऊंडेशन के जरिए अराजकतावादी पार्टियों एनजीओ आदि के जरिए भारत और उसके पड़ोसी देशों के उन नेताओं और पत्रकारों की टोली को उजागर किया है जो इन देशों के खिलाफ अपने अपने तरीकों और हथकंडों से अशांति और अविश्वास का माहौल पैदा करने में लगे थे। द क्रोनोलॉजी के दावों की माने तो यूएसएड का पैसा फोर्ड फाऊंडेशन तथा जार्ज सोरोस के जरिए एक ऐसी संस्था ओसीसीआरपी( आर्गनाईज्ड क्राईम एंड करप्शनरिपोर्टिग प्रोजेक्ट) को भी पहुंचता था, जो देश की सबसे बड़ी पार्टी के नेता राहुल गांधी के अमेरिका प्रवास और उसके दौरान उनकी प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन करती थीं। इनमें राहुल गांधी जी नरेंद्र मोदी से लेकर भाजपा की सरकार और अडाणी जैसे भारत के सबसे बड़े उद्योगपतियों की खुले मंचों से आलोचना करते थे। इसका प्रसारण यू ट्यूब जैसे चैनल पर लाइव होता रहा है।

फिर राहुल गांधी ही क्यों, महबूबा मुफ्ती, अरविंद केजरीवाल, कन्हैया कुमार जैसे नेताओं से लेकर पत्रकारिता जगत के कई चेहरे भी बेनकाब हो रहे हैं। भारत के बड़े मीडिया संस्थानों में बैठे या उनसे बाहर निकाले गए 85 पत्रकारों के नाम भी सामने आए हैं। कई अभी के नाम बाहर आना बाकी है। अमेरिका में इंटरन्यूज नेटवर्क नाम की संस्था में विश्व के सौ देशों में सक्रिय है। इन देशों मवह यूएसएड से मिला पैसा वामपंथी विचारधारा को आगे बढ़ाने के करती आई हैं। एक जानकारी के मुताबिक इंटरन्यूज नेटवर्क को यूएसएड से 500 मिलियन डालर मिले। इंटरन्यूज नेटवर्क का भारत में काम दिल्ली स्थित मीडिया फर्म डाटा लीड्स के जरिए होता था जिसके मुखिया दिल्ली के पत्रकार सैय्यद नजाकत हैं। सैय्यद नजाकत उस ग्लोबल इंन्वेस्टिंग जर्नलिस्ट नेटवर्क यानि जीआईजेएन के बोर्ड मेम्बर भी हैं, जिससे पत्रकारों का एक बड़ा समूह जुड़ा है। इसे फोर्ड फाऊंडेशन और फोर्ड फाऊंडेशन और जार्ज फंडिग भी करते हैं। नजाकत की टीम में डा. शब्बा महमूद और सुरभि पंडित नांजिया भी है।

सैय्यद नजाकत की डाटा लीड्स ने भारत में अपने प्रशिक्षण कार्यक्रम 'फेक्टशाला' के जरिए चला रही है। यह काम करीब ढाई हजार ट्रेनिंग प्रोग्राम कार्यशाला के अन्ना हजारे और केजरीवाल के इंडिया अगेंस्ट करप्शन से जुड़े रहे वकील प्रशांत भूषण की संस्था संभावना इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक पालिसी एंड पालिटिक्स (एसएसआईपी) के सहयोग से किया गया। ऐसा बताया जा रहा है कि इसमें कई एनजीओ से जुड़े लोगों के साथ देश के 75 हजार पत्रकारों को वामपंथी और देश विरोधी भाव से भरने का काम किया गया है। संभावना ट्रस्ट 2004 में कुमुद भूषण एजुकेशन सोसाइटी के बैनर तले बना था। इसका ट्रेनिंग सेंटर हिमाचल के पालमपुर में हैं। संभावना इंस्टीट्यूड और डाटा लीड्स के पार्टनर के बतौर जुबैर की आल्ट न्यूज भी पार्टनर है। इंटरन्यूज नेटवर्क को यूएसएड के अलावा जो संस्थाएं मदद कर रही हैं, उनमें फोर्ड फाऊंडेशन, रॉकफेलर ब्रदर्स फंड, रॉकफेलर फेमिली फंड, रॉकफेलर फाऊंडेशन, ओपन सोसाइटी फाऊंडेशन, ओक फाऊंडेशन, मैक आर्थर फाऊंडेशन, डेमोक्रेसी फंड, ओमीड्यार नेटवर्क स्कॉल फाऊंडेशन शामिल हैं।

संभावना और फेक्टशाला के प्रोग्राम से जो लोग जुड़े हैं उनमें चर्चित पत्रकार( अब विचारधारा विशेष के पक्षकार) रवीश कुमार, आप के पूर्व सक्रिय नेता, राजनीतिक विश्लेषक और पक्षकारिता पूर्ण बातें करने वाले योगेंद्र यादव, नक्सलवादी सोरी सोरी, अपर्णा देवल, कविता कृष्णन, आकाश बनर्जी, संदीप चौधरी, पूर्व आईएसएस एवं माओवादियों के पैरोकार हर्षमंदर, प्रंजोय गुहा, सोफिया अशरफ जैसे लोग हैं जो लगातार देश विरोधी भावनाएं भड?ाने और वामपंथी विचारों को भारतीय युवाओं पर थोपकर उनको राह भटकाने का काम कर रहे हैं। फेक्टशाला के ब्रांड एम्बेसेडर्स की बात करें तो इसमें न्यूज बेब पोंटल द क्विंट की रितु कपूर, द प्रिंट के शेखर गुप्ता, केरल के मशहूर मलयालम मनोरमा समूह के जेएस मैथ्यु तथा बीट रूट न्यूज के फाय डिसूजा शरीक हैं। राष्ट्रपति डोलान्ड ट्रंप के बड़े सहयोगी के बतैर उभरे एलन मस्क जैसे विश्व के सबसे बड़े धनपतियों में शुमार एलन मस्क ने तो अवैध और अनुचित कामों में लगीं आधा दर्जन से अधिक संस्थाओं पर पैसा लूटाने वाले यूएसएड के काम के आपराधिक कृत्य बताया है। ट्रंप प्रशासन की जांच जैसे- जैसे ओ बढ़ेगी कई देशों में सक्रिय राष्ट्रविरोधी और टुकड़े-टुकड़े गेंग के नाम भी उजागर होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा गृह मंत्री अमित शाह को भारत सरकार के खुफिया तंत्र से लेकर जांच एजेंसियों को सक्रिय करके देश विरोधी ताकतों का पता लगाने और भारतीय कानूनों के मुताबिक कार्रवाई करने की दरकार है। डोनाल्ड ट्रंप की तरह मोदी-शाह ऐसी सख्ती दिखा सकेंगे यह देखने वाली बात होगी।

### ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में रंग भरने की कवायदें, निवेशकों के लिए खुला सौगातों का पिटारा

# पारदर्शिता का तकाजा: मप्र में पहले आओ, जमीन पाओ व्यवस्था खत्म

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

राज्य सरकार ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए पूरी ताकत व तरकीबें झोंक दी हैं, ताकि मप्र में निवेश व रोजगार के अवसर बढें। चूंकि यह सीएम मोहन यादव के कार्यकाल की पहली ग्लोबल समिट है लिहाजा इसमें रंग भरने के खास जतन किये जा रहे हैं। पीएम नरेंद्र मोदी व अमित शाह अलग अलग दिनों में इसके खास मेहमान होंगे। भोपाल को नए रंगरोगन के साथ संवारा जा रहा है। मगर नीतियों व अन्य प्रक्रियाओं को खास तौर पर संवारने पर ज्यादा जोर है। लिहाजा समिट के लिए मप्र में उद्योगों को जमीन आवंटन से जुड़ी पहले आओ, पहले पाओ नीति को खत्म कर दिया है। इसकी जगह ई-टेंडर से जमीन आवंटन की व्यवस्था काम करेगी। यह ज्यादा पारदर्शी मानी जा रही है। नई व्यवस्था का बकायदा भूमि आवंटन नीति में प्रावधान कर दिया है। गौरतलब है कि कैबिनेट ने इस नीति को मंजूरी दी है। इसी तरह निवेशकों को सैंकड़ों सौगातों का प्रबंध किया है। बताया जाता है कि मप्र की औद्योगिक संभावना वाले इलाकों के अलावा सरकार भोपाल व आसपास यहां की विशेषताओं के आधार पर निवेशकों को तैयार करने का प्रयास कर रही है।

सरकार ने रियायतों के क्रम में इलेक्ट्रिक वाहनों पर 15 से 100 फीसद तक छूट देने व भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर व इंदौर जैसे महानगरों में सरकारी पेट्रोल-डीजल से चलने वाले वाहनों को अगले दो वर्षों के दौरान इलेक्ट्रिक वाहनों में बदलने को भी मंजूरी दे दी है। शहरों को वायु प्रदूषण से निजात दिलाने के लिए ये प्रावधान इलेक्ट्रिक वाहन नीति में किए जा रहे हैं। नीति में इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीदी करने वालों को पंजीकरण में बड़ी छूट देने का निर्णय लिया है। दो पहिया के पंजीकरण के लिए 40 फीसद, तीन पहिया के लिए 80 फीसद, 4 पहिया के लिए 15 फीसद, इलेक्ट्रिक बसों पर 40 फीसद और वाणिज्यिक बेड़ा के लिए 100 फीसद तक की छूट दी जाएगी। इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीदी पर प्रोत्साहन राशि का लाभ भी दिया जाएगा। इलेक्ट्रिक वाहन नीति में पेट्रोल पंपों को कम से कम एक इलेक्ट्रिक चार्जिंग प्वाइंट लगाने होंगे। ईवी प्रमोशन बोर्ड भी बनेगा।

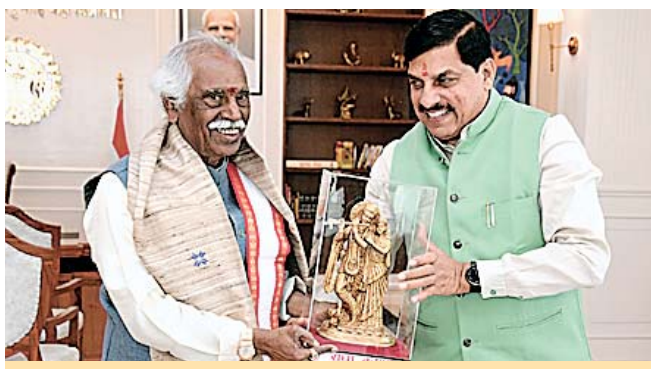

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने हरियाणा के राज्यपाल बंदारू दत्तात्रेय का आज मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन आगमन पर पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

### एमएसएमई विकास नीति

हर क्षेत्र में एमएसएमई को बढ़ावा, मशीनरी-बिल्डिंग में निवेश पर 40 फीसदी सब्सिडी, मशीनरी में 10 करोड़ तक निवेश पर महिलाओं को सब्सिडी आदि का प्रावधान है तो स्टार्ट अप नीति में मोहन सरकार आन्टेप्रेन्योर-इन-रेसिडेंस (ईआईआर) के प्रत्येक स्टार्टअप को 12 महीने तक की अवधि के लिए 10 हजार रुपये प्रति माह की वित्तीय सहायता देगी। बड़े स्तर पर निवेश के लिए 100 करोड़ के स्टार्टअप कैपिटल फंड के अलावा प्रति स्टार्टअप अधिकतम 30 लाख तक का सीड अनुदान दिया जाएगा। स्टार्टअप को विद्युत शुल्क में छूट, रोजगार सृजन प्रोत्साहन और विद्युत टैरिफ में प्रतिपूर्ति सहायता दी जाएगी। मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना में 5 फीसद ब्याज अनुदान और ऋण गारंटी शुल्क की प्रतिपूर्ति भी होगी।

# नए मुख्य चुनाव आयुक्त ने संभाला पद

**नई दिल्ली, एजेंसी**

आईएएस अधिकारी ज्ञानेश कुमार ने आज देश के 26वें चीफ इलेक्शन कमिश्नर का पद संभाल लिया है। नए कानून के तहत नियुक्त होने वाले वे पहले मुख्य चुनाव आयुक्त हैं। उनका कार्यकाल 26 जनवरी 2029 तक रहेगा। इससे पहले इसी पद पर रहे राजीव कुमार कल रिटायर हुए हैं। ज्ञानेश कुमार के 4 साल के कार्यकाल के दौरान 20 राज्य और 1 एक केंद्रशासित प्रदेश (पुडुचेरी) में चुनाव होना हैं। शुरुआत बिहार से होगी और मप्र, छत्तीसगढ, राजस्थान आदि राज्य भी आएंगे, अंतिम चुनाव मिजोरम में होगा। ज्ञानेश कुमार के अलावा विवेक जोशी को चुनाव आयुक्त नियुक्त किया गया है। वे हरियाणा के मुख्य सचिव और 1989 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। वहीं, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू अपने पद पर बने रहेंगे। उल्लेखनीय है कि पीएम नरेंद्र मोदी की अगुआई में 17 फरवरी को हुई बैठक में इन नियुक्तियों पर मुहर लगी थी। बैठक में गृह मंत्री अमित शाह और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी भी शामिल हुए थे। हालांकि उनकी नियुक्ति को लेकर कुछ विवाद भी हैं। कांग्रेस ने एक असहमति पत्र भी दिया है। इधर पदभार संभालने के बाद ज्ञानेश कुमार ने कहा कि राष्ट्रसेवा के लिए पहला कदम है मतदान। भारत का हर नागरिक, जो 18 साल की आयु पूरी कर चुका हो, को मतदान जरूर करना चाहिए। भारत के संविधान, लोकप्रतिनिधित्व कानूनों और उनके नियमों के अनुरूप चुनाव आयोग हमेशा मतदाताओं के साथ हमेशा था, है और रहेगा।

## संयुक्त राष्ट्र में भारत ने पाक को सुनाई खरी-खरी

**न्यूयार्क।** भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में पाकिस्तान को खूब सुनाई है। भारत ने कहा पाक की धरती से चलने वाले जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) जैसे आतंकी संगठनों ने भारत में कई आतंकी हमले किए हैं। भारत के स्थायी प्रतिनिधि परवथानेनी हरीश ने पाकिस्तान को आतंकवाद का वैश्विक केंद्र बताया और कहा कि पाकिस्तान में 20 से ज्यादा संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की तरफ से प्रतिबंधित आतंकी संगठन मौजूद हैं। इसके बावजूद जब पाकिस्तान खुद को आतंकवाद के खिलाफ लड़ने वाला देश बताता है, तो यह सबसे बड़ी विडंबना होती है। खबरों के मुताबिक भारत की तरफ से यह बयान तब आया जब पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार ने भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाया। इस पर भारत ने कड़ा जवाब देते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है और रहेगा। इस पर पी. हरीश ने कहा कि आतंकवाद का कोई भी कारण या मकसद स्वीकार्य नहीं हो सकता।

# सेंट जोसफ स्कूल के होस्टल में छात्र ने लगाई फांसी

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

तारा सेवनिया स्थित सेंट जोसफ इंटरनेशनल स्कूल फॉर एक्सीलेंस के होस्टल में रहने वाले एक छात्र ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। उसकी लाश सहपाठियों ने फंदे पर लटकी देख स्टाफ को सूचना दी। छात्र होस्टल में रहकर आठवीं कक्षा की पढ़ाई कर रहा था। उसके पास अंग्रेजी भाषा की कर्सिव राइटिंग में लिखा एक सुसाइड नोट मिला है, जिसकी तस्दीक करवाई जा रही है। थाना प्रभारी रोहित नागर ने बताया कि उत्कर्ष उर्फ वंश कुशवाहा पुत्र संतोष कुशवाहा (14) ऐशबाग का रहने वाला था। वह सेंट जोसफ इंटरनेशनल स्कूल फॉर एक्सीलेंस में आठवीं में पढ़ता था और स्कूल के ही होस्टल में रहता था। बीती रात साथी छात्र भोजन करने के लिए मैस चले गए थे। साथियों ने उसे खाना खाने के लिए चलने का बोला तो उत्कर्ष ने कहा कि वह कुछ देर में आता है। सहपाठी होस्टल में लौटे तो उत्कर्ष फांसी के फंदे पर लटका मिला। बच्चों ने तत्काल ही इसकी सूचना होस्टल के स्टाफ को दी, जिसके बाद परवलिया पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची । नागर ने बताया कि छात्र के पास एक सुसाइड नोट मिला है, जो अंग्रेजी भाषा का कर्सिव राईटिंग में होने के कारण ठीक से समझ नहीं आया है। सुसाइड नोट को पढ़वाया जा रहा है। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि बच्चे की आहार नली में कुछ तकलीफ थी, जिसके कारण उसने भोजन करने में दिक्कत होती थी। इसके साथ ही वह तनाव में रहता था। पुलिस ने स्कूल में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज मांगे हैं।

## प्रयागराज में महाकुंभ मेला की अवधि नहीं बढ़ेगी

**प्रयागराज।** महाकुंभ मेला अब अपने समापन की ओर अग्रसर है। कल तक जबर्दस्त भीड के बाद आज अपेक्षाकृथ डक्षह खज्ञ श्रज्ञण इशई डढ। संगम नोज पर भी ऐसी ही स्थिति है। प्रयागराज शहर में प्रवेश के लिए बनाए गए 7 एंट्री पॉइंट्स पर भी अब लंबा जाम नहीं है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आज महाकुंभ पहुंची हैं वे संगम में स्नान और गंगा पूजन कर सकती हैं। वहीं पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी की पत्नी सीमा नकवी ने आज संगम में डुबकी लगाई। अधिकारिक तौर पर सुबह दस बजे तक करीब पचास लाख श्रद्धालु संगम में स्नान कर चुके हैं। महाकुंभ खत्म होने में अब सिर्फ 7 दिन बचे हैं। वहीं सोशल मीडिया पर महाकुंभ मेला मार्च तक बढ़ाने की सूचना पर प्रयागराज के डीएम रविंद्र मंदार ने कहा - अफवाहों पर ध्यान न दें। 26 फरवरी को ही महाकुंभ का समापन होगा।

## बाजार फिर लाल निशान पर खुला, बाद में संभला सेंसेक्स

**मुंबई, एजेंसी**

घरेलू शेयर बाजार में जारी गिरावट थमने का नाम ही नहीं ने रही है। आज बुधवार को भी शेयर बाजार लाल निशान पर ही खुले। सेंसेक्स और निफ्टी ने भारी गिरावट के साथ शुरुआत की। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 386.01 अंक की गिरावट के साथ 75,581.38 अंक पर आ गया, जबकि निफ्टी 130.45 अंक फिसलकर 22,814.85 अंक पर पहुंचा। हालांकि, बाद में सेंसेक्स-निफ्टी ने वापसी की और फिलहाल हरे निशान पर कारोबार करने लगा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 4,786.56 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

## दिल्ली का सीएम शाम तक तय होगा, निमंत्रण पत्र तैयार

**मुंबई, एजेंसी**

भाजपा आज दिल्ली के मुख्यमंत्री का फैसला करने बैठी है। पार्टी की विधायक दल की बैठक में नए सीएम का नाम तय किया जाएगा। इसके बाद नए मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण कल रामलीला मैदान में होगा. नए मुख्यमंत्री को लेकर कई नामों पर चर्चा चल रही है। इस लिस्ट में पहला नाम प्रवेश वर्मा का है हालांकि कयासों में पांच नाम चल रहे हैं। वर्मा ने नई दिल्ली विधानसभा सीट से अरविंद केजरीवाल को हराया है। हालांकि नाम तय होने से पहले ही दिल्ली के नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह का निमंत्रण पत्र सामने आ गया है। इसके मुताबिक नए सीएम और उनकी मंत्रीपरिषद कल दोपहर 12 बजे रामलीला मैदान में शपथ लेंगे। मुख्यमंत्री के चयन के लिए बीजेपी संसदीय बोर्ड की बैठक भी हो रही है।

मुख्य सचिव, दिल्ली
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के
मुख्यमंत्री
और
मंत्री-परिषद्
के शपथ ग्रहण के लिए
30.02.2025 (पूर्वाह्न) को अपराह्न 12:00 बजे
रामलीला मैदान, दिल्ली में
आपकी उपस्थिति चाहते हैं।

# फिर बदलेगा मौसम....

**भोपाल।** वेस्टर्न डिस्टरबेंस साइक्लोनिक सर्कुलेशन और हवाओं के रूख बदलने से राजधानी का मौसम एकदम से बदल जाएगा। बुधवार व गुरूवार को बादल छा सकते है लेकिन मौसम साफ रहेगा इसके बाद फिर बादल बारिश की स्थिति बनेगी। मौसम विभाग के मुताबिक, फरवरी के आखिरी तक वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय रहने के कारण तापमान में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रहती है। दिन-रात के तापमान में वृद्धि देखने को मिलेगी। अभी तो कई जगह वंसत की बहार भी दिखती है

### बरकतउल्ला विवि के हॉस्टल का हाल बेहाल

# 44 साल पुरानी जर्जर इमारत में छात्रों को रहने की मजबूरी

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के मुंशी प्रेमचंद हॉस्टल की हालात जर्जर होती जा रही है। मरम्मत व रखरखाव के तमाम दावे इसकी गिरते प्लास्टर व टूटे दरवाजे कह रहे हैं। लिहाजा हास्टल में रहने वाले छात्र इन दिनों खस्ताहाल भवन में जान जोखिम में डालकर रहने को मजबूर हैं। जर्जर इमारत में गिरता प्लास्टर, टूटे दरवाजे और बदहाल टॉयलेट्स को लेकर कई शिकायतें की जा चुकी हैं। करीब 15 दिन पहले हॉस्टल की छत का एक बड़ा हिस्सा एंट्रेंस पर गिर गया था। कुछ छात्र ठीक उसी समय गुजरे थे, वे बाल-बाल बच गए। इस घटना ने हॉस्टल की जर्जर हालत को और उजागर कर दिया है। हॉस्टल में रहने वाले 60 से अधिक छात्र हर रोज इसी डर के साये में रह रहे हैं कि कहीं कोई बड़ा हादसा न हो जाए।

उल्लेखनीय है कि हॉस्टल की बिल्डिंग करीब 44 साल पुरानी है। कमरों की छत इतनी कमजोर हो चुकी हैं कि आए दिन प्लास्टर झड़ता रहता है। छात्रों का कहना है कि इस वजह से कई बार उनके लैपटॉप और मोबाइल तक क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। डर का आलम यह है कि छात्र रात में भी सहमे रहते हैं, कहीं सोते समय छत का कोई बड़ा हिस्सा न गिर जाए। वहीं, कई दरवाजे या तो टूट चुके हैं या बेहद कमजोर हो गए हैं, जिन्हें छात्र रस्सियों से बांधकर जैसे-तैसे इस्तेमाल कर रहे हैं। छात्रों की शिकायत है कि हॉस्टल के मेस की स्थिति दयनीय है। गंदगी और अव्यवस्था के बीच खाना बनता है, जिससे स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ने का खतरा बना हुआ है। टॉयलेट्स की हालत इतनी खराब है कि वे अक्सर जाम रहते हैं, जिससे छात्रों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

## छत का बड़ा हिस्सा गिर गया था

बताया जाता है कि हाल में बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के मुंशी प्रेमचंद हॉस्टल की छत का बड़ा हिस्सा मंगलवार देर रात गिर गया। यह हिस्सा एंट्रेंस पर स्थित था। घटना के समय वहां से कुछ छात्र गुजरे थे, जिनके गुजरने के तुरंत बाद यह हिस्सा गिरा। इस हादसे में छात्र बाल-बाल बच गए। छात्रों का आरोप है मंगलवार रात से यहां छत गिरी है मगर अभी तक प्रबंधन की तरफ से इसकी कोई खैर खबर नहीं ली है। मुंशी प्रेमचंद हॉस्टल की इमारत का कभी भी सही तरीके से मेंटेनेंस नहीं किया गया। हालांकि विश्वविद्यालय का कहना है कि जल्द ही इसकी मरम्मत करवाई जाएगी। इसके लिये प्रस्ताव आदि तैयार कर भेजे जा चुके हैं मार्च-अप्रैल में काम कराया जाएगा।

# सभी जिलों के सरकारी डॉक्टर 25 को आंदोलन शुरू करेंगे

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

सरकारी अस्पतालों में कार्यरत डॉक्टरों ने उग्र आंदोलन की रणनीति तैयार कर ली है। जनरल बॉडी मीटिंग में यह रणनीति तय की गई। इसमें 52 जिला अस्पतालों, 14 मेडिकल कॉलेजों, कम्युनिटी हेल्थ सेंटर और ईएसआई अस्पतालों में पदस्थ करीब 10 हजार डॉक्टरों ने एक साथ अपना विरोध दर्ज कराया। इन डॉक्टरों ने कहा कि हाईकोर्ट के आदेश के मुताबिक हाई पॉवर कमेटी का गठन नहीं किया गया। डीएसपीपी और एनपीए का लाभ नहीं दिया गया तो 25 फरवरी से प्रदेशव्यापी उग्र आंदोलन होगा। बताया जाता है कि सभी जिला अस्पतालों में ज्ञापन सौंपते हुए सातवें वेतनमान का लाभ 1 जनवरी 2016 से लागू करने और मेडिकल एडमिनिस्ट्रेशन में बाहरी दखल खत्म करने की मांग भी की गई है। प्रदेश के सरकारी डॉक्टरों का कहना है कि सरकार कोर्ट के आदेश और कैबिनेट फैसलों का पालन नहीं कर रही है। बार-बार मांग उठाने के बावजूद स्वास्थ्य विभाग की नीतियां डॉक्टरों के हितों के खिलाफ जा रही हैं। शासकीय चिकित्सा महासंघ मप्र के मुख्य संयोजक डॉ. राकेश मालवीय ने बताया कि हम कई सालों से स्वास्थ्य व्यवस्था सुधारने की बात कर रहे हैं। अफसरों की उदासीनता और तानाशाही के चलते डॉक्टरों को आंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

## शिवाजी जयंती

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।** शिवाजी की जयंती पर भारत रक्षा मंच द्वारा जयंती मनाई गई। शिवजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया।

### पूर्ण ज्योति सेवा संस्था की घर-घर शिव धुनी प्रारंभ

# दान पुण्य परलोक में आएगा काम : महाराज

**हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।**

पूर्ण ज्योति सेवा संस्था की हर-हर शंकर घर-घर शंकर की धुनी की शुरूआत हुई, शिव महापुराण कथा वाचक गुरुदेव मुकेशजी ने कहा मानव जीवन का लक्ष्य मानव सेवा होना चाहिए। शिवधुनी कालिका चौराहे के पास स्थित हरे कृष्ण मंदिर संत नरेश पारदासानी के निवास पर लगाई गई। साथ ही भजन भी हुए। मुकेशजी महाराज ने कहा कि मनुष्य योनि में जन्म मिलना कोई छोटी-मोटी बात नहीं है यह मनुष्य जन्म हमें परमात्मा की कृपा से ही मिला है इसीलिए हमारा उद्देश्य परमात्मा को प्राप्त करना ही है संसारी माया में भटक कर इस मनुष्य योनि को व्यर्थ ना गवाई भगवान के नाम का कीर्तन संकीर्तन करते चले साथ ही जरूरतमंदों की सेवा और अपने सामर्थ्य अनुसार दान पुण्य करते चले क्योंकि मरने के उपरांत यही सब परलोक में काम आता है बाकी सब भौतिक सुख संसाधन यहीं पर रह जाते हैं इसीलिए घर-घर में भगवान के नाम की धुनी लगाकर यही संदेश दिया जा रहा है। इस अवसर पर संत नरेश पारदासानी ने कहा कि देव दानव मानव सभी शिवजी की आराधना करके ही अपना जीवन सफल करते हैं धुनी में सिंधी सेंट्रल पंचायत संत नगर के अध्यक्ष चंद्र प्रकाश इसरानी एवं महासचिव सुरेश जसवानी, भाजपा नेता महेश खटवानी, हीरो फेंस क्लब के अध्यक्ष हीरो इसरानी, थोक वस्त्र व्यवसाय संघ के अध्यक्ष कन्हैया इसरानी संस्कार स्कूल के सचिव बसंत चेलानी, द लायन सिटी ग्रुप के अध्यक्ष कमलेश रायचंदानी व अन्य श्रद्धालु मौजूद रहे।

# बजट का किस सेक्टर पर क्या होगा असर, छात्राओं ने रखा अपना मत

### आम बजट के दूरगामी प्रभावों का किया विश्लेषण

**हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।**

संत हिरदाराम इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में 'यूनियन बजट-2025 सेक्टर-वाइ एनालिसिस' सत्र का आयोजन किया गया। सत्र में मैनेजमेंट की छात्राओं ने भारतीय अर्थव्यवस्था के विभिन्न सेक्टर्स का विश्लेषण किया गया। इस सत्र की प्रस्तावना के रूप में संस्थान के डायरेक्टर डॉ. आशीष ठाकुर ने यूनियन बजट के बारे में बारीकी से समझाया एवं इसका महत्व बताया। छात्राओं ने पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से विभिन्न सेक्टर्स जैसे- एग्रीकल्चर, हेल्थ केयर, एजुकेशन, स्किल डेवलपमेंट, इंफ्रास्ट्रक्चर, स्टार्ट-अप, एनर्जी, रेलवे, बैंकिंग एवं इनकम टैक्स पर बजट के दीर्घकालीन प्रभावों पर प्रकाश डाला। बजट के विभिन्न प्रावधानों एवं सेक्टर्स पर उनके प्रभावों को विस्तार से समझाया गया। बजट में सभी वर्गों एवं सेक्टर्स के लिए महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं, जो अर्थव्यवस्था के प्रोत्साहन के लिए संजीवनी साबित होंगे। रिसर्च क्लब के बैनर तले आयोजित इस कार्यक्रम के अंत में छात्राओं को सर्टिफिकेट वितरित किए गए।

## मेट्रो एंकर

### 'अंक बढ़ाने के टिप्स' विषय पर सेमिनार

# पेन, रजिस्टर का रखें ख्याल, मोबाइल से दूरियां और टेबिल भी हैं सक्सेस का फंडा

**हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।**

प्ले होटल इन आरिया एजुकेशनल सेमिनार में सबधाणी कोचिंग के डायरेक्टर एवं मोटिवेशनल स्पीकर आनंद सबधाणी ने बोर्ड परीक्षा में सफलता के सूत्र स्टूडेंट्स को बताए। सबधाणी ने कहा कि इनका ध्यान रखने पर बिना स्ट्रेस और अतिरिक्त कठोर पढ़ाई के 6 से 8 परसेंट मार्क्स इनक्रीज करने के टिप्स दिए।

**पहला सूत्र:** सबधाणी ने बताया कि एग्जाम में स्टूडेंट्स का पेन केवल पेन नहीं है ये उनका हथियार है इसलिए पेन के ऊपर कैप कभी मत लगाएगा इससे पेन का वेट बढ़ जाता हैं और बार बार पेन चेंज भी मत कीजिए जिस कंपनी का पेन अभी इस्तेमाल कर रहे है उसी का कंपनी का पेन बोर्ड एक्सजाम्स तक इस्तेमाल कीजिए ताकि स्पीड और ग्रिप अच्छे से बनी रहे।

**दूसरा सूत्र:** आज से एग्जाम तक वर्टिकल रजिस्टर पर लिखना बंद कीजिए, केवल हॉरिजॉन्टल शीट या रजिस्टर का यूज कीजिए, क्योंकि एमपी बोर्ड या सीबीएससी बोर्ड की आंसर शीट हॉरिजॉन्टल ही होती है, चेंज फील नहीं होगा।

**तीसरा सूत्र:** स्टूडेंट्स के एजुकेटर्स, ट्यूशन टीचर्स, स्कूल टीचर्स डिजिटल फॉर्मेट में नोट्स भेजते हैं और स्टूडेंट उसको खोल के अपने स्मार्ट मोबाइल फोन में प?ना स्टार्ट करते हैं आमतौर पर मोबाइल में प?ते समय ऊपर से कईतरह के मनोरंजक रील वाले नोटिफिकेशन आते रहते है स्टूडेंट उस नोटिफिकेशन के कारण संबंधित ऐप पर चले जाते हैं, फिर वहां रीले देखने में बिडी हो जाते हैं और जो उनका मेन क्वालिटी टाइम वेस्ट हो जाता है इसलिए जितने भी ऑनलाइन डॉक्यूमेंट आते है, उसकी फिजिकल कॉपी प्रिंट आउटनिकलवाए और उसके थ्रू ही क्वेश्चन करें।

**चौथा सूत्र:** आमतौर देखा गया है कि स्टूडेंट बेड पर लेटकर या कम्बल-रजाई में बैठकर आराम से पढ़ाई करते है, इन सब चीजों को त्यागना पड़ेगा बल्कि स्टूडेंट्स को 3 घंटे लगातार टाइमर का यूज कर के बेंच पर बैठकर पढ़ने या सैंपल पेपर सोल्व करने की आदत डालनी चाहिए ताकि पेपर टाइमली कंप्लीट हो और एग्जाम देते समय बदलाव महसूस ना हो पाए।

# आरएसएस प्रचारक इंद्रेशजी के जन्म दिन, पर पौधारोपण

**हिरदाराम नगर.** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक एवं भारत तिब्बत सहयोग मंच के मार्गदर्शक इन्द्रेशजी का जन्म दिन पर्यावरण को समर्पित रहा गुफा मंदिर में ब्राह्मणों के स्वास्तिवाचन के बीच गौ शाला में गौ सेवा की और पौधारोपण किया। कार्यक्रम संयोजक एवं भारत तिब्बत सहयोग मंच भोपाल जिलाध्यक्ष नितिन दुबे ने कहा कि इंद्रेशजी के जन्म दिन पर कार्यकर्ताओं ने पौधारोपण का संकल्प लिया है। पूरे भोपाल में एक साल में 5000 पौधे रोपित किए जाएंगे। कैलाश मानसरोवर की मुक्ति एवं तिब्बत की आजादी के लिए निरंतर भारत तिब्बत सहयोग मंच काम करता रहेगा। मध्यप्रांत के मंत्री चन्द्रशेखर तिवारी, महिला विभाग प्रदेश संयोजक समता अग्रवाल, निधि कौशिक, गुफा मंदिर के अधिकारी महंत बिमल दास त्यागी, गोविंद शर्मा व अन्य लोग मौजूद रहे।

# नए चौधरी से पटवारी और सिंघार ने दिल्ली में मुलाकात की

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मप्र कांग्रेस के नये प्रभारी हरीश चौधरी अब भोपाल आ रहे हैं। इससे पहले दिल्ली में उनसे प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने अलग अलग मुलाकात करके मौजूदा स्थिति व कार्यकलापों कीजानकारी दी है। दरअसल कांग्रेस को एक तरफ जहां चुनावों में लगातार हार का सामना करना प? रहा है, वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी भी ज्यादा दिन नहीं टिक पा रहे हैं। बीते तीन साल में चार प्रभारी बदले जा चुके हैं। इसी बदलाव के तहत चार दिन पहले भंवर जितेन्द्र सिंह को हटाकर राजस्थान के बायतू से विधायक हरीश चौधरी को मप्र का प्रभारी बनाया गया है। नए प्रभारी की नियुक्त होने के बाद ही पटवारी और नेता प्रतिपक्ष सिंघार ने दिल्ली में उनसे अलग-अलग मुलाकात की है। कांग्रेस के नए प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी अब पहली बार भोपाल आएंगे। वे पीसीसी में कांग्रेस के प्रमुख नेताओं, कार्यकर्ताओं, विधायकों, पदाधिकारियों के साथ परिचयात्मक बैठक लेकर मेल-मुलाकात करेंगे। मप्र कांग्रेस के निवर्तमान प्रभारी भंवर जितेन्द्र सिंह विधानसभा चुनाव 2023 में स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष थे। विधानसभा की 230 सीटों में से कांग्रेस को मात्र 66 सीटें मिलीं थीं। 163 सीटें बीजेपी और एक बीएपी ने जीती थी। विधानसभा चुनाव के दौरान रणदीप सिंह सुरजेवाला प्रभारी थे। चुनाव में हार के बाद सुरजेवाला को हटाकर जितेन्द्र को प्रभारी बनाया गया था। लेकिन, लोकसभा चुनाव में मप्र की सभी 29 सीटों पर कांग्रेस को हार का मुंह देखना प?ा।भंवर जितेन्द्र सिंह के खिलाफ लगातार कांग्रेस आलाकमान तक शिकायतें पहुंच रहीं थीं। यह तक कहा जा रहा था कि कुछ खास लोगों के इशारे पर सारे फैसले हो रहे हैं। इसके बाद भंवर जितेन्द्र सिंह को हटाकर हरीश चौधरी को कमान दी गई है। चौधरी राजस्थान सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं।

# माशिमं अलर्ट, पेपर लीक का झांसा देकर ठगने वालों पर रख रहे नजर

## बोर्ड ने लिखा साइबर पुलिस को पत्र, विद्यार्थियों से की सतर्क रहने की अपील

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में 25 फरवरी से शुरू हो रही मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा दसवीं-बारहवीं की परीक्षाओं को लेकर माशिमं ने तैयारियां पूरी कर ली है। पिछले पेपर लीक मामलों को देखते हुए इस बार माशिमं अलर्ट मोड में है। इसके साथ ही सोशल मीडिया पर भ्रामकता फैला रहे कथित लोगों के खिलाफ कार्यवाही के लिए भी बोर्ड सायबर पुलिस को पत्र लिखा है। माशिमं ने टेलीग्राम चैनल से पेपर उपलब्ध कराने का वादा कर भोले विद्यार्थियों को ठगने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्यवाही के लिए सायबर क्राइम कार्यालय को पत्र लिखा है।

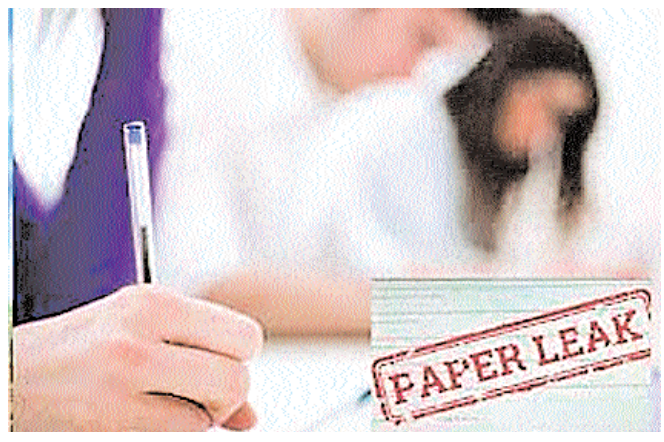


सायबर पुलिस ने इस संबंध में ठगों के खिलाफ जांच कार्यवाही प्रारंभ करते हुए विद्यार्थियों से ऐसे लोगो के बहकावे में ना आने की अपील की है। भोपाल क्राइम ब्रांच के एडिशनल डीसीपी शैलेंद्र सिंह चौहान ने विद्यार्थियों से ऐसे फर्जी और जालसाज ठगों के जाल में ना फसने के लिए वीडियो अपील भी की है। उल्लेखनीय है कि इन परीक्षाओं में करीब 16.60 लाख स्टूडेंट शामिल हो रहे हैं। इसमें 10वीं में करीब 9.53 लाख और 12वीं में 7.06 लाख परीक्षार्थी शामिल होंगे। बोर्ड ने परीक्षा के लिए 3887 केंद्र बनाए हैं। इनमें करीब 500 से अधिक संवेदनशील और अतिसंवेदनशील केन्द्र हैं।

**परीक्षा केंद्रों के बाहर नकल पेटियां रखी जाएंगी:** माशिमं ने इस बार नकल रोकने के लिए भी पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। पहली परीक्षा केंद्रों के बाहर नकल पेटियां रखी जाएंगी। इसमें विद्यार्थी स्वेच्छा से नकल सामग्री डाल सकेंगे। साथ ही इस बार परीक्षा के दौरान की निगरानी ऑनलाइन की जाएगी, जिसके लिए मंडल में कंट्रोल रूम बनाया जाएगा। परीक्षा केंद्रों पर जैमर लगाने के निर्देश दिए गए हैं।

### प्रत्येक परीक्षा केंद्र का भौतिक निरीक्षण कराया,लगाएंगे जैमर

एमपी बोर्ड से मिली जानकारी के मुताबिक परीक्षा के दौरान नकल और पेपर लीक के मामले सामने आते हैं। इसमें अधिकतर स्थानों पर मोबाइल का प्रयोग कर लोग पेपर लीक जैसी घटनाओं को अंजाम देते हैं। इसी को देखते हुए विभाग ने प्रत्येक परीक्षा केंद्र का भौतिक निरीक्षण कराया। जिसकी रिपोर्ट गोपनीय टीम ने बनाकर दी है। इनमें करीब 300 परीक्षा केंद्रों पर पेपर लीक और नकल की संभावना को देखते हुए संबंधित परीक्षा केंद्रों पर जैमर लगाने की योजना बनाई गई है। जिससे बोर्ड परीक्षा के दौरान इंटरनेट और संचार गतिविधियों को रोका जा सके।

### बोर्ड परीक्षाएं : विद्यार्थी को 25-26 फरवरी को एक घंटे पहले परीक्षा केंद्र पहुंचना होगा, डीईओ ने दिए आदेश

माध्यमिक शिक्षा मंडल और केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की दसवीं-बारहवीं कक्षा की मुख्य परीक्षाओं में शामिल हो रहे विद्यार्थियों के लिए जरूरी खबर है। 24 एवं 25 फरवरी को आयोजित होने वाले ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट कार्यक्रम को देखते हुए स्कूल शिक्षा विभाग ने जरूरी दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जिसके अनुसार इन परीक्षाओं में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को 24 एवं 25 फरवरी को एक से दो घंटे पूर्व परीक्षा केंद्र पहुंचने की सलाह दी है। इसको लेकर जिला शिक्षा अधिकारी नरेंद्र कुमार अहिरवार ने सभी प्राचार्यों को पत्र जारी किया है। पत्र में कहा गया है कि सीबीएसई द्वारा आयोजित वर्ष 2024-25 की हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी परीक्षाएं चल रही हैं। वहीं माध्यमिक शिक्षा मंडल की परीक्षाएं 25 फरवरी से शुरू होंगी। भोपाल में 24 एवं 25 फरवरी को ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट होने जा रही है। इसलिए परीक्षार्थियों को अपने परीक्षा केंद्र पर समय से पहुंचने के लिए सूचित करे, कि परीक्षार्थी उक्त दिनांक को अपने घर से कम से कम एक से दो घंटे पूर्व परीक्षा केंद्र पर उपस्थि हो। यहां यह भी सुनिश्चित करें कि कोई भी परीक्षार्थी परीक्षा से वंचित न हो।

#### ग्लोबल इंन्वेस्टर्स समिट को देखते हुए माशिमं और सीबीएसई बोर्ड के विद्यार्थियों के लिए जारी हुए दिशा-निर्देश

# प्रशिक्षण महिला उद्यमियों को आत्मनिर्भरता की ओर ले जाने में महत्वपूर्ण

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी स्थित एलएनसीटी कॉलेज में छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 25 महिला उद्यमियों ने भाग लिया, जिन्हें निर्यात-आयात व्यापार के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत जानकारी दी गई। समापन समारोह में डॉ. अनुपम चौकसे, सचिव, एलएनसीटी समूह, एवं वी. स्वप्ना, कार्यक्रम निदेशक ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। इस कार्यक्रम में एक स्टार्टअप फाउंडर, दीति मौर्य, ने भी भाग लिया। कार्यक्रम समन्वयक आकाश एस डी राय ने बताया कि यह प्रशिक्षण महिला उद्यमियों को आत्मनिर्भरता की ओर ले जाने में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम निदेशक वी. स्वप्ना ने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी और उन्हें अपने व्यवसाय को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विस्तारित करने के लिए प्रेरित किया।

# आरजीपीवी : कोर्सेस में प्रोविजनल रजिस्ट्रेशन की अंतिम तारीख 28 फरवरी

**भोपाल।** आरजीपीवी ने सभी सरकारी पॉलिटेक्निक, महिला और प्राइवेट पॉलिटेक्निक के लिए छठवें सेमेस्टर इंजीनियरिंग के संचालन के लिए शेड्यूल जारी कर दिया है। इसके तहत इस सेमेस्टर की कक्षाएं अब शुरू हो गई हैं। इस सेमेस्टर में अंतिम शैक्षणिक दिवस 29 अप्रैल तक रहेगा। इसी के साथ संस्थान में संचालित होने वाले कोर्सेस में प्रोविजनल रजिस्ट्रेशन की अंतिम तारीख 28 फरवरी रहेगी। पहला इंटरनल असेसमेंट मार्च में आरजीपीवी द्वारा जारी किए गए शेड्यूल के अनुसार पहला इंटरनल असेसमेंट मार्च के प्रथम सप्ताह, दूसरा इंटरनल असेसमेंट अप्रैल के प्रथम सप्ताह और तीसरा इंटरनल असेसमेंट अप्रैल के अंतिम सप्ताह में होगा।

### विधायक शर्मा, खत्री व निगम अध्यक्ष को किया शामिल

# जीआईएस के लिए बनी शीर्ष समिति में जगह पाने की होड़!

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

ग्लोबल इन्वेस्टर समिट (जीआईएस) के आयोजन के पहले ऐसा लग रहा है कि शीर्ष समिति में जगह पाने के लिए कई जनप्रतिनिधियों में होड़ मची है। इसका उदाहरण नए मनोनय को माना जा रहा है। दरअसल सरकार को उक्त् समिति में विधायक रामेश्वर शर्मा, विधायक विष्णु खत्री और नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी को भी शामिल करना पड़ा है। सूत्रों की मानें तो कुछ मंत्री भी इच्छा पाले हुए थे कि उन्हें भी जगह मिलती, क्योंकि शहर से लेकर गांवों तक निवेश करने का मामला है और हर कोई निवेशकों से अपने शहरों व ग्रामीण क्षेत्रों में निवेश कराना चाहता है। यह समिति बीते सप्ताह गठित की थी जिसका अध्यक्ष सीएम डॉ. मोहन यादव को बनाया है, जबकि दोनों उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा व राजेंद्र शुक्ल सदस्य है। इसके नाम तीन नये नाम कल जोडे गये।

**जीआईएस का पीएम मोदी करेंगे शुभारंभ :** जीआईएस का पीएम मोदी 24 फरवरी को शुभारंभ करेंगे। एक दिन पूर्व वह बागेश्वर धाम में कैंसर अस्पताल की नींव रखेंगे। 25 फरवरी को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी जीआईएस में शिरकत करेंगे। उल्लेखनीय है कि गत सप्ताह गठित शीर्ष समिति में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं सांसद खजुराहो वीडी शर्मा, मंत्री चेतन काश्यप, विश्वास सारंग, राज्यमंत्री कृष्णा गौर, भोपाल सांसद आलोक शर्मा, विधायक भगवानदास सबनानी, महापौर मालती राय, भोपाल जिला पंचायत अध्यक्ष रामकुंवर नौरंग सिंह गुर्जर, मुख्य सचिव अनुराग जैन, वित्त विभाग के प्रमुख सचिव मनीष रस्तोगी, औद्योगिक नीति निवेश एवं प्रोत्साहन विभाग के प्रमुख सचिव राघवेंद्र कुमार सिंह, जनसंपर्क आयुक्त डॉ. सुदाम खाड़े और औद्योगिक नीति निवेश एवं प्रोत्साहन विभाग के प्रबंध संचालक चंद्रमौली शुक्ला को को ही शामिल किया था, जो आगे भी बने रहेंगे।

# एलएनसीटी विवि और आश्रम गांधीपुरी के बीच हुआ एमओयू

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पद्म डॉ. एंगस इंद्र उदयन द्वारा की गई भारत यात्रा के दौरान एलएनसीटी विश्वविद्यालय और आश्रम गांधी पुरी, बाली, इंडोनेशिया के बीच एक महत्वपूर्ण करार पर औपचारिक रूप से हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता आयुर्वेद और योग में विशेषज्ञता हासिल कर रहे छात्रों के लिए एक एक्सचेंज प्रोग्राम की सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से किया गया है, जिसके माध्यम से इन पारंपरिक विषयों में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और आपसी सांस्कृतिक सीखने को ब?ावा दिया जाएगा। उक्त करार एलएनसीटी समूह के सचिव और जेएनसीटी प्रोफेशनल विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अनुपम चौकसे की उपस्थित में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) नरेंद्र कुमार थापक और आश्रम गांधी पुरी, इंडोनेशिया के संस्थापक उदयन के बीच हस्ताक्षरित किया गया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ अजीत सोनी उपकुलसचिव डॉ विराट जायसवाल, एलएन मेडिकल कॉलेज की डीन नलनी मिश्रा आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ सपन जैन, लॉ कॉलेज की प्राचार्य डॉ. अनुष्का नाइक एवं अन्य फैकल्टी सदस्य और विभाग अध्यक्ष भी मौजूद रहे। साथ ही सामाजिक कार्यकरता डॉ. राहुल देशमुख डॉ. आभा चौधरी चेयरपर्सन अनुग्रह ने भी अपने विचार रखे जिन्होंने छात्रों के साथ गांधीवादी दर्शन पर आधारित एक इंटरैक्शन सत्र में भी भाग लिया।

## संपादकीय

# शहरों में महंगे सफर का विकल्प नहीं

ईंधन पर बढ़ते खर्च और अपर्याप्त सार्वजनिक परिवहन का ढांचा लोगों की मुश्किल बना हुआ है। इससे परिवारों पर बोझ बढ़ रहा है। दरअसल, अब घरेलू खपत व्यय सर्वेक्षण के ताजा आंकड़े बता रहे हैं कि खाद्य वस्तुओं के अलावा होने वाले औसत मासिक व्यय में सबसे अधिक हिस्सेदारी परिवहन की है। राष्ट्रीय स्तर पर ग्रामीण क्षेत्रों में एक परिवार का औसत मासिक प्रति व्यक्ति खपत व्यय 7.6 फीसदी और शहरों में 8.5 फीसदी रहा है। एक स्तर पर ये आंकड़े बढ़ते आवागमन और शहरों के विस्तार को दर्शाते हैं। मगर परिणाम यह है कि यात्रियों को काम पर जाने के लिए महंगे निजी उपायों के भरोसे रहना होता है और ज्यादा पैसा खर्च करना पड रहा है। हालांकि जो संपन्न हैं, वे अपनी कारों से आवागमन करते हैं मगर इससे शहरों में यातायात और प्रदूषण की समस्या पैदा होती है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र यानी एनसीआर और तेजी से विकसित होता आईटी गढ़ बेंगलूरु इस बात के उदाहरण हैं कि कैसे कमजोर शहरी परिवहन नियोजन समस्याएं पैदा कर सकता है। ग्रामीण इलाकों में समस्या अधिक है क्योंकि वहां सार्वजनिक परिवहन पूरी तरह नदारद है। देश में सहज, किफायती और सुरक्षित परिवहन में निवेश बहुत जरूरी है। अगर ऐसा होगा तभी कंपनियां न केवल कर्मचारियों को आकर्षित कर पाएंगी बल्कि इससे भी अहम कामकाज में महिलाओं की भागीदारी में इजाफा होगा। उदाहरण के लिए मुंबई और कोलकाता जैसे पुराने शहरों में व्यापक ट्रेन नेटवर्क है जिसके कारण फैक्टरी और घरेलू कर्मचारी दूरदराज से काम पर आ पाते हैं। कोलकाता के उलट मुंबई में लोकल ट्रेनों में उच्च अधिकारी भी उतने ही दिखते हैं, जितने कि फैक्टरी कर्मचारी। आंशिक रूप से आरंभ दिल्ली-मेरठ क्षेत्रीय रैपिड ट्रांजिट सिस्टम पहले ही बेहतर संपर्क के लाभ दर्शा रहा है। इसके बावजूद केवल आठ आरआरटीएस कॉरिडोर ही चिह्नित किए गए हैं। इनमें से अधिकांश एनसीआर के आसपास संपर्क मुहैया कराते हैं। बस संपर्क भी शहरी आवागमन पर बहुत अधिक असर डाल सकता है लेकिन इस पर समुचित ध्यान नहीं दिया गया और देश में निजी-सार्वजनिक मिलाकर 21 लाख बसें हैं जो 14 करोड़ से अधिक लोगों को सेवा देती हैं। हालांकि इस संख्या का एक तिहाई पैदल सफर करना पसंद करता है। राज्य परिवहन निगम जो गरीबों को सुविधा मुहैया कराने के लिए सब्सिडी पर यात्रा सुविधा देते हैं, उनके पास बहुत कम बसें हैं। कई राज्यों में यह बंद या लडखडाया हुआ है। उधर दिल्ली में किए गए बस रैपिड ट्रांजिट के प्रयोग को जबरदस्त नाकामी हाथ लगी है। आज आलम यह है कि 10 शहरों में बीआरटी है और सात अन्य शहरों में यह प्रस्तावित है। वहीं कुछ शहरों में मेट्रो की पटरियां बिछ रही हैं। यानि अभी तो भारी पूंजी वाली, समय खपाऊ और यातायात बाधित करने वाली मेट्रो परियोजनाएं ही अधिकांश शहरी परिवहन नियोजकों की पसंद बनी हुई हैं। भारत में 17 शहरों में मेट्रो सेवा चल रही है लेकिन यह अपेक्षाकृत आकर्षक और आरामदेह परिवहन विकल्प भी सीमित दायरे में ही है। लंदन की ऐतिहासिक अंडरग्राउंड मेट्रो सेवा को वर्तमान नेटवर्क जैसा विस्तार पाने में 162 साल लगे। मेट्रो का किराया भी दूरी के मुताबिक 8 रुपये से 50 रुपये के बीच है। यह आम आदमी के लिए ज्यादा है। जब तक शहरी परिवहन योजना को कम लागत वाला नहीं बनाया जाता तब तक देश के परिवारों को अपनी आय का बड़ा हिस्सा काम पर जाने और काम से आने में व्यय करना होगा। यानि परिवहन लागत एक ऐसा विषय है जो आमआदमी की जेब और पारिवारिक खर्च पर बढा बोझ बना हुआ है,जिसमें कटौती आवश्यक है।

# मंदिरों, धर्म-स्थलों में वीआईपी संस्कृति समाप्त हो

■ ललित गर्ग

मन्दिरों, धर्मस्थलों एवं धार्मिक आयोजनों में वीआईपी संस्कृति एवं उससे जुड़े हादसों एवं त्रासद स्थितियों ने न केवल देश के आम आदमी के मन को आहत किया है, बल्कि भारत के समानता के सिद्धान्त की भी धज्जियां उड़ा दी है। मौनी अमावस्या महाकुंभ में भगदड़ के चलते तीस लोगों की मौत ने ऐसे मौकों पर कुछ विशेष लोगों को मिलने वाले वीआईपी सम्मान एवं सुविधा पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। बात केवल महाकुंभ की नहीं है, बल्कि अनेक प्रतिष्ठित मन्दिरों में वीआईपी संस्कृति के चलते होने वाले हादसों एवं आम लोगों की मौत ने अनेक सवाले खड़े किये हैं। प्रश्न है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने पहले ही कार्यकाल के दौरान वीआईपी कल्चर को खत्म करते हुए लालबत्ती एवं ऐसी अनेक वीआईपी सुविधाओं को समाप्त कर दिया था तो मन्दिरों एवं धार्मिक आयोजनों की वीआईवी संस्कृति को क्यों नहीं समाप्त किया? क्यों महाकुंभ में वीआईपी स्नान के लिये सरकार ने अलग से व्यवस्थाएं की। क्यों एक विधायक अपने पद का वैभव प्रदर्शित करते हुए महाकुंभ में कारों के बड़े काफिले के साथ घूमते एवं स्नान करते हुए, पुलिस-सुविधा का बेजा इस्तेमाल करते हुए एवं सेल्फी लेते हुए करोड़ लोगों की भीड़ का मजाक बनाते रहे? सवाल यह पूछा जा रहा है कि हिंदुओं के धार्मिक स्थलों और आयोजनों में क्यों भक्तों के बीच भेदभाव होता है? वीआईपी दर्शन की अवधारणा भक्ति एवं आस्था के खिलाफ है। यह एक असमानता का उदाहरण है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों पर भी आघात करती है।

महाकुंभ हो या मन्दिर, धार्मिक आयोजन हो या कीर्तन-प्रवचन भगदड़ के कारण जो दर्दनाक हादसे होते रहे हैं, जो असंख्य लोगों की मौत के साक्षी बने हैं, उसने वीआईपी कल्चर पर एक बार फिर से नये सिरे से बहस छेड़ दी है। सवाल उठ रहा है कि जब गुरुद्वारे में वीआईपी दर्शन नहीं, मस्जिद में वीआईपी नमाज नहीं, चर्च में वीआईपी प्रार्थना नहीं होती है तो सिर्फ हिन्दू मंदिरों में कुछ प्रमुख लोगों के लिए वीआईपी दर्शन क्यों जरूरी है? क्या इस पद्धति को खत्म नहीं किया जाना चाहिए, जो हिंदुओं में दूरिया का करण बनता है? योगी सरकार ने मौनी अमावस्या के दिन हुए हादसे से सबक लेते हुए भले ही वीआईपी सिस्टम पर रोक लगायी हो, लेकिन इस रोक के बावजूद महाकुंभ में वीआईवी संस्कृति बाद में भी पूरी तरह हावी रही है। महाकुंभ हो या प्रसिद्ध मन्दिर वीआईपी पास एवं दर्शन की व्यवस्था समाप्त क्यों नहीं होती? यह व्यवस्था समाप्त होना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़

7 जनवरी को ही धार्मिक स्थलों पर होने वाली वीआईपी व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े किये हैं। उन्हें ऐसे हासदे की उम्मीद भी नहीं रही होगी। निश्चित ही जब किसी को वरीयता दी जाती है और प्राथमिकता दी जाती है तो उसे वीवीआईपी या वीआईपी कहते हैं। यह समानता की अवधारणा को कमतर आंकना है। वीआईपी संस्कृति एक पथभ्रष्टता है। यह एक अतिक्रमण है। यह मानवाधिकारों का हनन है। समानता के नजरिए से देखा जाए तो समाज में इसका कोई स्थान नहीं होना चाहिए, धार्मिक स्थलों में तो बिल्कुल भी नहीं।

देश की कानून व्यवस्था एवं न्यायालय भी देश में बढ़ती वीआईपी संस्कृति को लेकर चिन्तीत है। मद्रास उच्च न्यायालय की मुदुरै पीठ ने अपनी एक सुनवाई के दौरान कहा भी है कि लोग वीआईपी संस्कृति से 'हताश' हो गए हैं, खासतौर पर मंदिरों में। इसके साथ ही अदालत ने तमिलनाडु के प्रसिद्ध मंदिरों में विशेष दर्शन के संबंध में कई दिशा निर्देश जारी किए। राजस्थान में गहलोत सरकार ने भी मन्दिरों में वीआईपी दर्शनों की परम्परा को समाप्त करने की घोषणा की थी कि मन्दिरों में बुजुर्ग ही एकमात्र वीआईपी होंगे। इस तरह की सरकारी घोषणाएं भी समस्या का कारगर उपाय न होकर कोरा दिखावा होती रही है। अक्सर नेताओं एवं धनाढ्यों को विशेष दर्शन कराने के लिए मंदिर परिसरों को आम लोगों के लिये बंद कर दिया जाता है, जिससे श्रद्धालुओं को भारी परेशानी होती है, लोग वास्तव में इससे दुखी होते हैं और कोसते हैं। वीआईपी लोगों को तरह-तरह की सुविधाएं दी जाती है, मन्दिर के मूल परिसर-गर्भ परिसर में दर्शन कराये जाते हैं, उनके वाहन मन्दिर के दरवाजे तक जाते हैं, उनके साथ पुलिस-व्यवस्था रहती है, जबकि आम श्रद्धालुओं को कई किलोमीटर पैदल चलना होता है, भगवान के दर्शन दूर से कराये जाते हैं, उनके साथ धक्का-मुक्की की जाती है।

तीर्थस्थलों और गंगा स्नान में वीआईपी संस्कृति की बात कि जाये तो महाकुंभ मेले प्रयागराज, हरिद्वार या वाराणसी जैसे तीर्थस्थलों पर आम श्रद्धालुओं को अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता है, लेकिन वीआईपी के लिए अलग घाट बना दिये जाते हैं। जहां आम लोग भीड़ में संघर्ष करते हैं, वहीं खास लोगों के लिए विशेष स्नान व्यवस्था, सुरक्षा घेरा और सुविधाएं मुहैया कराई जाती है। कई बार वीआईपी के स्नान के लिए आम श्रद्धालुओं को घंटों रोका जाता है, जिससे भीड़ में अफरातफरी तक मच जाती है। सवाल ये हैं कि जहां करोड़ों लोग जुट रहे हों, वहां आम श्रद्धालुओं की असुविधा को बढ़ाकर वीआईपी स्नान जैसी व्यवस्था क्यों? वीआईपी स्नान के बेहूदे एवं शर्मनाक प्रदर्शन की टीस महाराज प्रेमानंद गिरि के शब्दों में दिखी जब उन्होंने कहा कि प्रशासन का पूरा ध्यान वीआईपी पर था। आम श्रद्धालुओं को उनके हाल पर छोड़ दिया गया था। उनका आरोप है कि पूरा प्रशासन वीवीआईपी की जी-हुजूरी में लगा रहा, तुष्टीकरण में लगा रहा।

मोदी के शासन-काल में हिन्दू मन्दिरों एवं धार्मिक आयोजनों के लिये जनता का आकर्षण बढ़ा है, बात चाहे श्रीराम मन्दिर अयोध्या की हो या महाकुंभ की या ऐसे ही अन्य धर्मस्थलों की, करोड़ों की संख्या में आम लोग इन स्थानों तक पहुंच रहे हैं, लेकिन ईश्वर के दर्शन भी उनके लिये दोयम दर्जा एवं असमानता लिये हुए है। देश की आजादी के बाद सरकार ने कुछ मंदिरों में ट्रस्ट के माध्यम से व्यवस्था अपने हाथों में ली। शुरुआत में तो सभी मंदिर आम आदमी के लिये सुगम थे लेकिन धीरे धीरे अब इसमें प्रशासन के लोग अपनी घुसपैठ जमाने लगे। भीड़ भाड़ की स्थिति में अपने लोगों, अधिकारियों एवं नेताओं के लिए अलग से व्यवस्था का इंतजाम करने लगे। धीरे-धीरे ये राजनेताओं, मंत्रियों, अधिकारियों के वीआईपी दर्शन का आधार बनने लगे। इसका स्वरूप फिर से एक बार और बदला और एक नई संस्कृति का उदय हुआ और वह था वीआईपी दर्शन जो उनलोगों के लिए था जो एक विशेष शुल्क देकर उसका लाभ उठा सकते हैं, यानि भगवान के दरबार में भी दो तरह की व्यवस्था हो गई। एक आम जनता के लिए और एक उन लोगों के लिए जो आर्थिक रूप से सक्षम हों। एक आम आदमी जो घंटों लाइन में लगने के बाद मंदिर के अंदर प्रवेश करता है तो उसे बाहर से ही दर्शन करने के लिए बाध्य किया जाता है जैसे वह कोई अछूत हो और वहीं दूसरी ओर आपके सामने ही कुछ वीआईपी लोग बड़े आराम से मंदिर के गर्भगृह में दर्शन लाभ करते हुए नजर आते हैं।

लगता है मन्दिरों में दर्शन एवं धार्मिक आयोजनों में सहभागिता को लेकर आम आदमी गुलामी की मानसिकता को ही जी रहा है। इन स्थानों पर उसके स्वाभिमान, सम्मान एवं समानता को बेरहमी से कुचला जा रहा है। ये कैसा मंदिर और ये कैसा दर्शन जहाँ सरेआम आम दर्शनार्थी का अपमान हो रहा है। भगवान के मंदिर में वीआईपी व्यवस्था का क्या औचित्य है? इसलिए जिस भी मंदिर में वीआईपी दर्शन की सुविधा दी जा रही है उसके खिलाफ जनक्रांति हो। आज हिन्दू मन्दिरों की भेदभाव पूर्ण दर्शन-व्यवस्था को समाप्त करके ही आम आदमी को उसका उचित सम्मान किया जा सकता है, उसकी निराशा एवं पीड़ा को समझा जा सकता है। उन्नत राष्ट्र-चरित्र निर्मित को निर्मित करते हुए सबसे बड़ी जरूरत है कि पास, धन के बल अथवा राजनीतिक वर्चस्व के लिए हकदार का, गुणवंत का, आम आदमी का हक नहीं छीना जाए। अन्यथा आम आदमी के अन्तर पनप रहा यह विद्रोह एवं असंतोष किसी बड़ी क्रांति का कारण न बन जाये? भाजपा सरकार मन्दिरों एवं धार्मिक-स्थलों से वीआईपी संस्कृति को समाप्त करने के लिये कोई ठोस कदम उठाये।

**(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)**

# वडनगर में बना संग्रहालय क्यों है खास?

■ हरीश चंद्र बर्णवाल

17 जनवरी को गुजरात में अहमदाबाद से 100 किलोमीटर दूर देश का पहला ऐसा संग्रहालय खुला, जहां पिछले 2500 सालों की घटनाओं का हम जीवंत अनुभव कर सकते हैं. 12,500 वर्गमीटर में बनी यह एक ऐसी विशाल 'टाइम मशीन है, जिसके वॉकवे शेड में एक बार प्रवेश कर लेते हैं तो इतिहास की हर घटना प्रत्यक्ष दिखाई देने लगती है. प्रागैतिहासिक काल की गवाही दे रही इन घटनाओं के पात्रों की सोच, रहन-सहन और काम करने का तरीका भी साक्षात आपके सामने होता है. यह संग्रहालय प्रधानमंत्री मोदी के गृहनगर वडनगर में बना है और इसका उद्घाटन किया केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने. वडनगर का यह आर्कियोलॉजिकल एक्सपीरिएंशियल म्यूजियम ढाई हजार सालों में बदलावों के सात दौरों को जीवंत कर रहा है. इनमें से हर दौर में वडनगर का बदलता हुआ चरित्र तो दिखता ही है, लेकिन इसमें हमारे संस्कारों की एक अटूट कड़ी भी दिखाई देती है. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जन्म गुजरात के इसी वडनगर शहर में हुआ, जिसका वर्तमान चरित्र 2500 सालों में संस्कारों की अटूट श्रृंखला का आधुनिक स्वरूप है. इतिहास के इस लंबे कालखंड में वडनगर का सात बार निर्माण और विध्वंस हुआ. इसी की कहानी हमें आर्कियोलॉजिकल एक्सपीरिएंशियल म्यूजियम में दिखाई देती है.

पुरातात्विक उत्खननों और वैज्ञानिक शोधों ने यह साबित किया है कि वडनगर आर्थिक और सांस्कृतिक रूप से संपन्न एक पौराणिक और ऐतिहासिक शहर रहा है। वडनगर के निर्माण और विध्वंस की गवाही दे रही ये सात परतें धरती की कोख से निकली हैं. एक बड़ी भूमिका निभाते हुए भारतीय पुरातत्व विभाग ने अब इन्हें हमारे सामने एक संग्रहालय के रूप में संजोकर रख दिया है. पुरातात्विक खनन और अनुसंधान बताते हैं कि वडनगर का उल्लेख पुराणों महाभारत, रामायण और जैन आगमों जैसे ग्रंथों में किया गया है. इन ग्रंथों में वडनगर के अलग-अलग कई नाम हैं, जैसे अनर्तपुर, आनंदपुर, चमत्कारपुर, स्कंदपुर और नागरका. वडनगर में पुरातात्विक खनन से मिले चीनी मिट्टी के बर्तन, कांच, पत्थर की मूर्तियों और धातु की कलाकृतियों का वैज्ञानिक अध्ययन आईआईटी खड़गपुर, आईआईटी गुवाहाटी, आईआईटी गांधीनगर, आईआईटी रूड़की जैसे संस्थानों ने किया है.

वैज्ञानिक अनुसंधानों से पता चलता है कि वडनगर का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक चरित्र 1400 ईसा पूर्व से विद्यमान रहा है. मेहसाणा का यह शहर हजारों सालों से एक जीवंत आर्थिक केंद्र रहा है. इस शहर में अन्य देशों से लोग व्यापार के लिए समुद्र के मार्ग से पहुंचते थे. इसलिए यह नगरीय व्यवस्था में काफी समृद्ध रहा है. इस शहर में जल प्रबंधन और कृषि की उन्नत व्यवस्था थी. आज जब वडनगर में पुरातात्विक उत्खनन हो रहे हैं तो ये सभी जानकारियां हमारे सामने आ रही हैं. उत्खनन में यहां मिले लोहे के सामानों का अध्ययन करने से पता चला है कि वडनगर में धातुकला की तकनीक भी विकसित हो चुकी थी. यही नहीं, शीशे और ताम्र के जो सामान मिले हैं, उनसे यह भी पता चलता है कि वडनगर में सिक्कों का भी निर्माण किया जाता था. इस तरह से यह कहा जा सकता है कि वडनगर में विकसित हुई सभ्यता के पास आधुनिक काल की तरह वैज्ञानिक ज्ञान और तकनीक थी.

**सांस्कृतिक वैभव;** वडनगर अपने 2500 साल के कालचक्र में सिर्फ आर्थिक केंद्र के रूप में ही नहीं विकसित हुआ, बल्कि सांस्कृतिक और ज्ञान का केंद्र भी बना. वडनगर पर कई राजवंशों का शासन रहा, जिनमें चालुक्य राजवंश की प्रमुख तौर पर चर्चा होती है. इन राजवंशों की शासन व्यवस्था में नागर ब्राह्मणों का प्रभुत्व था. वडनगर, नागर ब्राह्मणों का केंद्र था. इन नागर ब्राह्मणों के प्रयासों ने वडनगर को एक बौद्धिक केंद्र के रूप में स्थापित किया. इसलिए पौराणिक काल से यहां की ख्याति ज्ञान की राजधानी के रूप में थी. वडनगर में नागर ब्राह्मणों के इन्हीं प्रयासों का परिणाम हुआ कि यहां कई धर्मों का संगम देखने को मिलता है. यहां पर हिंदू, बौद्ध, जैन और इस्लाम धर्म को पल्लवित होने का एक समान वातावरण मिला. भारत में सनातन धर्म की धर्मनिरपेक्षता का वडनगर से बेहतर उदाहरण और क्या हो सकता है. वडनगर के इस धर्मनिरपेक्ष चरित्र के सबूत पुरातात्विक उत्खनन से मिले हैं. वडनगर के उत्खनन से कई बौद्ध विहारों, जैन मंदिरों और हिंदू मंदिरों के प्रमाण सामने आए हैं.

**अंतर्राष्ट्रीय ख्याति;** 2500 साल के इतिहास में वडनगर जिस तरह एक आर्थिक केंद्र के रूप में विकसित हुआ, उससे इसकी ख्याति दुनियाभर में भी फैली. इस ख्याति का ही परिणाम था कि सातवीं शताब्दी में चीनी यात्री ह्युएन त्सांग यहां आए और कई दिनों तक रहे. वडनगर में अपने प्रवास के दौरान ह्युएन त्सांग ने शहर के विभिन्न स्थलों का दौरा किया. जिस समय ह्युएन त्सांग वडनगर आए थे, उस समय वडनगर का नाम आनंदपुर था. ह्युएन त्सांग सिर्फ एक यात्री ही नहीं थे, बल्कि वह एक इतिहासकार भी थे. वे अपनी यात्रा के सारे अनुभवों को अपने यात्रा वृतांत में भी लिखते थे. ऐसे ही एक यात्रा वृतांत में उन्होंने वडनगर के बारे में लिखा है. इस वृतांत में ह्युएन त्सांग ने वडनगर के बौद्ध विहारों और बौद्ध भिक्षुओं के बारे में तो लिखा ही है, साथ ही साथ उन्होंने वहां की गतिविधियों के बारे में भी विस्तार से लिखा है. आज वडनगर में जो पुरातात्विक उत्खनन और अनुसंधान हो रहे हैं, उनसे ह्युएन त्सांग की यात्रा वृतांत में लिखी बातें सही साबित हो रही हैं।

**देश का अनोखा संग्रहालय;** इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के युग में वडनगर ने एक प्रकार से 2500 साल के इतिहास को हमारी आंखों के सामने जीवित कर दिया है. वडनगर में एक ऐसा पुरातत्व अनुभवात्मक संग्रहालय (Archaeological E&periential Museum) बनकर तैयार हो गया, जो देश में अपने आप में पहला है. इस संग्रहालय में नवीनतम तकनीक की मदद से वडनगर के हर दौर के सांस्कृतिक, वैज्ञानिक और आर्थिक जीवन का अनुभव किया जा सकता है. यह संग्रहालय उसी स्थल पर बना है, जहां पुरातात्विक उत्खनन किया गया है. इस उत्खनन स्थल पर एक वॉकवे शेड है, जिस पर चलते हुए हम वडनगर के 2500 साल के इतिहास से गुजरने का अनुभव सकते हैं.इस संग्रहालय में आने वालों को वडनगर के अतीत का डिजिटल अनुभव होगा, जो उन्हें यहां के पुराने दौर में ले जाएगा. इस डिजिटल अनुभव को साकार करने के लिए उत्खनन से मिले 5000 पुरातात्विक धरोहरों का उपयोग किया गया है. यह 4000 वर्गमीटर में फैला हुआ है, जहां 16 से 18 मीटर की गहराई तक पुरातात्विक अवशेष देखने को मिलते हैं. इन पुरातात्विक धरोहरों में मिट्टी के बर्तन, सिक्के, आभूषण, हथियार, औजार, मूर्तियां, खेल सामग्री, अनाजों के डीएनए और कंकालों के अवशेष हैं. 12,500 वर्गमीटर में फैले इस संग्रहालय में नौ विषयों पर अलग-अलग गैलरी है.

**वर्तमान वैभव;** वडनगर अपने समृद्ध अतीत की नींव पर विकसित हो रहा है. हाटकेश्वर महादेव का मंदिर उसी समृद्धि का आज शिखर है. यह मंदिर वडनगर के नागर ब्राह्मणों के कुल देवता का है. मंदिर के गर्भगृह में स्वयंभू शिवलिंग है. मंदिर के ही परिसर में काशी विश्वेश्वर शिव मंदिर, स्वामीनारायण मंदिर और दो जैन मंदिर भी हैं. मंदिर के पास एक कीर्ति तोरण है. यह नक्काशीदार गेट बारहवीं शताब्दी में चालुक्य राजवंश के शासकों ने बनवाया था. पत्थरों से बने इस द्वार पर पौराणिक कथाओं के दृश्यों और देवी-देवताओं की नक्काशी की गई है. चालुक्य राजाओं ने युद्ध में विजय के स्मारक के रूप में इस तोरण का निर्माण किया था. शहर की शर्मिष्ठा झील, वडनगर के जल प्रबंधन के संस्कार का एक उत्तम उदाहरण है. यह एक प्राचीन झील है, जो अरावली पहाड़ियों से निकलने वाली कपिला नदी से बनी है. इस झील की सुंदरता सभी को आकर्षित करती है. यही नहीं, वडनगर के वैभवशाली चरित्र में ताना-रीरी बहनों के संस्कार को भुलाया नहीं जा सकता है. ताना-रीरी वडनगर की ऐसी दो बेटियां थी, जिनके लिए संगीत एक आराधना थी. वे अपनी कला में इतनी निपुण थीं, जिनका लोहा तानसेन जैसे महान संगीतज्ञ भी मानते थे. अपने संगीत की रक्षा करने के लिए इन दोनों बहनों ने आत्म उत्सर्ग कर दिया. उन्हीं की याद में वडनगर में 2010 से हर साल ताना-रीरी संगीत महोत्सव का आयोजन किया जाता है।

कुल मिलाकर देखें, तो वडनगर के सुनहरे वर्तमान में यहां के इतिहास के अलग-अलग कालखंडों की अद्भुत झलक भी देखने को मिलती है और इसी की अनुभूति कराता है वडनगर का नवनिर्मित संग्रहालय।

**(साभार : लेखक वरिष्ठ पत्रकार और लेखक हैं यह उनके निजी विचार हैं)**

**मानव का गुण है विश्वास व शैतान का गुण है शंका।**

**- विविध**

## आज का इतिहास

- 1389 - दिल्ली के सुल्तान गयासुद्दीन तुग़लक़ द्वितीय की हत्या।
- 1570 - फ़्रांसीसी सेना की मदद से एंजाऊ के ड्यूक ने दक्षिणी नीदरलैंड पर हमला किया।
- 1618 - वेनिस शांति संधि के तहत वेनिस और आस्ट्रेलिया का युद्ध समाप्त हुआ।
- 1674 - ब्रिटिश फ़ौजें डच युद्ध से हट गईं।
- 1719 - मुग़ल शासक फर्रुख सियर की हत्या।
- 1807 - तुर्की के साथ युद्ध में रूस को मदद देने ब्रिटिश सैनिक पहुँचे।
- 1891 - अमृत बाज़ार पत्रिका का प्रकाशन दैनिक के रूप में शुरू हुआ।
- 1942 - द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान उत्तरी ऑस्ट्रेलियाई शहर डार्विन पर जापानी लड़ाकू विमानों के हमले में 243 लोग मारे गए।
- 1959 - साइप्रस की स्वतंत्रता के बारे में यूनान, तुर्की और ब्रिटेन के बीच समझौता।
- 1963 - सोवियत संघ क्यूबा से अपने काफ़ी सैनिक हटाने के बारे में सहमत हुआ।
- 1986 - देश में पहली बार कम्प्यूटरी कृत रेलवे आरक्षण टिकट की शुरुआत हुई।
- 1989 - लेबनान में गृहयुद्ध समाप्त करने के उद्देश्य से मुस्लिम और ईसाई नेता अरब लीग से बातचीत करने कुवैत गए।
- 1991 - प्रदर्शनकारियों ने रोमानिया के राष्ट्रपति इयान इलूफ़ू के इस्तीफ़े की मांग की।
- 1993 - हैती के पास समुद्र में 1500 यात्रियों सहित एक जहाज़ डूबा।
- 1999 - डेनमार्क के वैज्ञानिक डॉक्टर लेन वेस्टरगार्ड ने वाशिंगटन में प्रकाश की गति धीमी करने में सफलता पाई।
- 2001 - ब्राजील की जेलों में दंगे, 8 मरे, 7000 लोगों को क़ैदियों ने बंधक बनाया, तालिबान लादेन के प्रत्यर्पण को तैयार।
- 2000 - तुवालू संयुक्त राष्ट्र का 189वां सदस्य बना।
- 2003 -संयुक्त अरब अमीरात ने दाऊद के भाई इक़बाल शेख़ व उसके सहयोगी एजाज पठान को भारत को सौंपा।

## निशाना

### हो रहे तैयार !

-कृष्णेन्द्र राय

**जीतने को बाज़ी ।**
**हो रहे तैयार ।।**
**लगा देंगे ज़ोर अब ।**
**बनना असरदार ।।**
**देनी उनको मात है ।**
**खोज रहे तरकीब ।।**
**ना हो जाए स्थिति ।**
**आगे कुछ अजीब ।।**
**कर सही विश्लेषण ।**
**है निकालना हल ।।**
**आज से भी अच्छा ।**
**कर लेना है कल ।।**
**साध रहे निशाना ।**
**ना अब जाना चूक ।।**
**होता रहे कुछ भी ।**
**बैठ ना सकते मूक ।।**

# शहरी भूमि रिकार्ड के डिजिटलीकरण के लिए 'नक्शा' परियोजना की माखननगर में शुरुआत

**नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो**

भारत सरकार की महत्वपूर्ण ''नक्शा'' परियोजना का आज माखननगर में शुभारंभ किया गया। इस परियोजना के अंतर्गत शहरी भूमि रिकार्ड का डिजिटलीकरण किया जाएगा, जिससे भूमि से संबंधित प्रक्रियाएँ पारदर्शी, तेज और सटीक होंगी। इस परियोजना से भारत के 152 शहरों में शहरी भूमि रिकार्ड को डिजिटलीकरण के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा, जिनमें मध्यप्रदेश के 10 शहरों में माखननगर भी शामिल है। नक्शा

**विधायक सोहागपुर कलेक्टर सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी रहे उपस्थित**

परियोजना की शुरुआत से नागरिकों को भूमि रिकार्ड की ऑनलाईन उपलब्धता मिल सकेगी। इस योजना का उद्देश्य भूमि रिकार्ड्स की अनुपलब्धता, सरकारी दस्तावेजों और वास्तविक भूमि स्वामित्व में अंतर, स्वामित्व

विवाद, और अवैध कब्जे जैसी समस्याओं को दूर करना है। इससे भूमि संबंधित कार्यों में पारदर्शिता आएगी और नागरिकों को सीधा लाभ मिलेगा। कलेक्टर सोनिया मीना ने इस परियोजना की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा, ''नक्शा परियोजना के शुभारंभ से माखननगर जिले में भूमि रिकार्ड का डिजिटलीकरण होगा, जो शहरी भूमि प्रशासन को और अधिक पारदर्शी और कुशल बनाएगा। इससे न केवल भूमि विवादों का समाधान होगा, बल्कि नागरिकों को सुविधाजनक और समय पर भूमि रिकार्ड प्राप्त होंगे। यह परियोजना प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगी और लोगों की समस्याओं को दूर करने में सहायक होगी। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर सोहागपुर विधायक ठा. विजयपाल सिंह, कलेक्टर सोनिया मीना, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व नर्मदापुरम नीता कोरी, सिटी मजिस्ट्रेट बृजेन्द्र रावत, नर्मदापुरम तहसीलदार देव शंकर धुर्वे, नगर परिषद अध्यक्ष रीना आकाश तिवारी, जनपद अध्यक्ष सावित्री परनामे, माखननगर तहसीलदार अनिल पटैल और अन्य अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

### गर्मी में बढ़ जाती हैं आगजनी की घटनाएं

# जबेरा विधानसभा क्षेत्र में एक फायर ब्रिगेड के भरोसे दो ब्लॉक के 700 गांव!

**तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो**

गर्मी की शुरुआत के साथ ही क्षेत्र में आगजनी की घटनाओं का सिलसिला शुरू हो जाता है, लेकिन जबेरा विधानसभा क्षेत्र में आग पर काबू पाने के लिए प्रशासन ने पुख्ता इंतजाम नहीं किए हैं। उक्त विधानसभा में 2 ब्लॉक तेंदूखेड़ा एवं जबेरा आते हैं। इन ब्लॉकों के 700 से अधिक गांवों की सुरक्षा के लिए तेंदूखेड़ा नगर परिषद में सिर्फ एक फायर बिग्रेड वाहन मौजूद है, जो कि आगजनी की घटनाओं पर नियंत्रण पाने के लिए नाकाफी साबित हो जाता है, जबकि एक फायर ब्रिगेड लॉरी नगर परिषद तेंदूखेड़ा की लापरवाही कहे या फिर उचित रखरखाव के चलते सालों से कंडम हालत में आज भी खड़ा हुआ है।

आग की घटनाएं मार्च, अप्रैल में घटनाएं ज्यादा बढ जाती है। क्योंकि रवी सीजन की फसलों के कटने का सिलसिला शुरू हो जाता है और कतिपय लोग नरवाई को नष्ट करने के लिए उसमें आग लगा देते हैं। पिछले वर्ष आगजनी के कई घटनाएं घटी थी। जिसमें खेतों में खड़ी गेहूं की फसल जलकर खाक हो गई तो दुकान, मकान भी जले थे। जिससे किसानों और लोगों को बड़ा नुकसान हुआ था।

अभी आलम यह है कि 700 गांवों की सुरक्षा के महज एक फायर ब्रिगेड है। दमकल कर्मियों के पास भी न वर्दी है और न ही हेलमेट व सुरक्षा के अन्य उपकरण है। वहीं कर्मियों के प्रशिक्षण के अभाव में उनके भरपूर प्रयास भी कभी-कभार नाकाम हो जाते हैं। जिससे अग्निकांड में ज्यादा नुकसान होता है

#### 50 से 80 किलोमीटर तक का फेरा

नगर परिषद के पास दो फायर ब्रिगेड वाहन तो उपलब्ध है, लेकिन एक वाहन बीते चार-पांच सालों से खराब हालत में रखा हुआ है। यदि एक ही समय में एक से अधिक स्थानों पर आगजनी की घटना होती है तो फायर बिग्रेड लॉरी समय पर नहीं पहुंच पाती है। फायर ब्रिगेड तेंदूखेड़ा से 50 से 80 किलोमीटर दूर तक आग पर काबू पाने जाना पड़ता है और अपनी सुरक्षा व्यवस्था के बिना ही आग पर काबू पाने के प्रयास किए जाते हैं, लेकिन कहीं कहीं समय पर वाहन नहीं पहुंचने के कारण लोगों की फसलें और गृहस्थी का सामना जलकर खाक हो जाता है

इस संबंध में जब नगर परिषद सीएमओ प्रेम सिंह चौहान से बात की तो उन्होंने कहा कि पुरानी फायर ब्रिगेड लॉरी का कुछ काम कराया गया है। फिर भी मैं दिखवाता हूं।

### बिजली लाइन की चपेट में आकर पराली से लदी ट्राली में लगी आग

तेंदूखेड़ा !- गर्मी का मौसम शुरू होते ही आगजनी की घटनाऐं निकलकर सामने आने लगी है। मंगलवार की दोपहर तेन्दूखेड़ा नगर के वार्ड क्रमांक 11 में बिजली लाइन के तारो की चपेट में आने से पराली से लोड़ एक ट्राली में आग लगी । देखते ही देखते आग ने रफ्तार पकड़ ली लोगों द्वारा आग लगने की सूचना फायर ब्रिगेड वाहन को दी गई जहां मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड एवं लोगों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया इस आगजनी में ट्राली तो बच गई लेकिन उसमें लोड पराली जलकर खाक हो गई लोगों ने बताया कि ट्रैक्टर ट्राली में छोटू यादव गांव से पराली लोड़ करके अपने घर लाया जा जहां पीछे बनी बाखर में पराली को खाली करना था लेकिन उपर से लोगों के घरों में लगे बिजली कनेक्शन की लाइन टूट गया और अचानक से आग लग गई इस घटना में कोई जनहानि तो नहीं हुई है लेकिन हजारों रुपए की पराली जलकर खाक हो गई लोगों का कहना है समय रहते आग पर काबू पा लिया नहीं तो बड़ा नुक़सान हो सकता है साथ ही आग की चपेट में आने से आसपास के घरों में भी आग लगने की उम्मीद बढ़ गई थी लेकिन लोगों ने फायर ब्रिगेड के आने के पहले ही आग को बुझाना शुरू कर दिया तो वहीं कुछ समय में फायर ब्रिगेड वाहन भी मौके पर पहुंच गया और आग पर काबू पा लिया।

### नपाध्यक्ष ने किया डेढ करोड से बन रहे नाले का निरीक्षण

# परिषद सम्मेलन का एजेंडा जारी 27 को 19 विषयों पर होगी चर्चा

**इटारसी, दोपहर मेट्रो**

नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे परिवार में विवाह कार्यक्रम के बावजूद विकास कार्यों के लिए सक्रिय हैं। दोपहर में उन्होंने नगरपालिका अमले के साथ न्यास कॉलोनी से चिकमंगलूर चौराहे तक लगभग डेढ करोड रुपये की लागत से बन रहे नाला निर्माण का निरीक्षण किया। साथ ही नगरपालिका परिषद का 27 फरवरी को होने वाले परिषद के साधाराण व्यापक सम्मेलन की तैयारी करते हुए एजेंडा जारी किया। 19 मुददों पर इस सम्मेलन में चर्चा होगी। चौरे ने बताया कि कुल 19 विषयों पर परिषद में चर्चा होगी। जिसमें मुख्य रुप से शहर को भिक्षावृत्ति मुक्त शहर बनाने व भिक्षुकों के पुर्नवास व उत्थान पर के विषय पर मंथन होगा। इसके अलावा 23 अप्रैल गौरव दिवस के अवसर पर 1 माह इटारसी में इटारसी उत्सव मेला लगाने, होंडिंग्स किराया के लिए टेंडर निकालने सहित नगरपालिका स्वामित्व की दुकानों की किराया वृद्धि सहित अन्य विषय रखे गए हैं।

#### एमजीएम कॉलेज के पास निरीक्षण

एमजीएम कॉलेज के पास अभी नाला निर्माण के लिए कार्य चल रहा है। यहां पर नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने एई मीनाक्षी चौधरी, उपयंत्री आदित्य पांडे, कांटेक्टर प्रशांत अग्रवाल के साथ निरीक्षण कर कार्य की प्रगति देखी। उल्लेखनीय है कि नाला निर्माण चिकमंगलूर चौराहे तक होगा और करीब 1.5 करोड रुपये से बन रहा है।

# रुद्राभिषेक का समय नहीं है तो जल व बिल्व पत्र चढ़ाएं

**तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो**

महाशिवरात्रि का पर्व इस बार 26 फरवरी को है और इस महापर्व पर पूजन-अर्चन को लेकर अभी से तैयारियों में जुट गए हैं। इस दौरान भगवान शिव की विशेष कृपा पाने के लिए शिवलिंग के रूद्राभिषेक करने की भी काफी अधिक मान्यता रहती है।

चूंकि विधिवत अभिषेक में थोड़ा अधिक समय लगता है, ऐसे में जिन लोगों के पास समय का अभाव है या किसी अन्य वजह से वे अभिषेक नहीं कर पा रहे हैं तो वे लोग शिवलिंग पर केवल जल और बिल्व पत्र चढ़ाकर सामान्य पूजा कर सकते हैं। यह बात पंडित गोपाल शास्त्री ने कही, उनके मुताबिक शिव पूजा जल और बिल्व पत्र के बिना

अधूरी रहती है। अगर कोई भक्त शिवलिंग पर सिर्फ जल और बिल्व पत्र चढ़ाता है तब भी उसकी शिव पूजा सफल हो सकती है। उनका कहना है कि शिव पूजा के लिए अगर नया बिल्व पत्र नहीं मिल रहा है तो शिवलिंग पर चढ़ा हुआ बिल्व पत्र धोकर फिर से शिव जी को चढ़ा सकते हैं।

# अमित दीवान आत्महत्या मामले में फरार इनामी आरोपी सौरभ शर्मा गिरफ्तार, अदालत ने भेजा जेल

**नर्मदापुरम।** जिला मुख्यालय हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी अमित दीवान आत्महत्या मामले में फरार इनामी सभी आठ आरोपियों में से एक आरोपी सौरभ शर्मा को देहात पुलिस ने करीब 15 दिन बाद रोचक तरीके से रात को घेराबंदी कर बैतूल फोरलेन हाईवे से पकड़ने की जानकारी सामने आई हैं। देहात पुलिस ने पकड़े गए आरोपी सौरभ शर्मा को मंगलवार को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जमानत के अभाव में जेल भेज दिया गया। वहीं आरोपी का पुलिस रिमांड नहीं लिए जाने पर देहात थाना प्रभारी प्रवीण चौहान ने बताया कि सभी मामलों में पीआर नहीं लिया जाता है। अवगत हो कि 02 फरवरी 2025 रविवार को एक ब्राह्मण युवक अमित दीवान ने बाबई रोड स्थित यशराज होटल में प्रताड़ना के कारण आत्महत्या कर ली थी। जिसके बाद से संपूर्ण ब्राह्मण समाज में भय और आक्रोश व्याप्त हो गया। घटनास्थल से मिले तीन पेज के सुसाइड नोट के आधार पर पुलिस ने शहर के आठ लोगों को मामले में आरोपी बनाया, सुसाइड नोट में आईपीएल क्रिकेट सट्टा ऑनलाइन गेमिंग जैसी चीजों का उल्लेख भी है। जिसमें यह भी लेख है कि मैं जीना चाहता हूं, भोला भैया, दे चुका हूं पैसा, पर यह लोग मांग रहे हैं, सॉरी दीदी।

# सिंधी समाज ने किया समाजसेवी गगन का सम्मान

**गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो**

विगत दिवस नगर के जागरूक युवा समाजसेवी अन्नपूर्णा सेवा समिति के संचालक गगन दुवे को एक युवक घूमता दिखाई दिया जो पिछले चार-पांच दिनों से शहर में भूखा प्यासा घूम रहा था दुबे ने उस युवक से सहानुभूति पूर्वक बातचीत की एवं उसको भोजन कराया तत्पश्चात उसकी जानकारी मिलाकर उसको उसके परिजनों से मिलवाया।

ज्ञात हो कि मानसिक विक्षिप्त अवस्था में युवक पिछले चार पांच दिन से शहर में भटक रहा था लेकिन किसी का ध्यान उसकी ओर नहीं गया जब शहर के जागरूक युवा समाजसेवी ने जब यह भांपा की यह विक्षिप्त युवक परेशान है तब उन्होंने उससे बातचीत करने की कोशिश की बातचीत की तब परेशान युवक ने अपना नाम दीपक रेलवानी पिता राजकुमार रेलवानी बताया तो इस बात की जानकारी शहर के सिंधी समाज के वरिष्ट लोगों को दी जिसके बाद सिंधी समाज के

स्थानीय निवासी सुरेश तनवानी,राकेश कटारिया, श्याम वाधवानी, राम वाधवानी ने जय स्तंभ चौक पहुंचकर इस युवक से सिंधी भाषा में बात करके इस बात को पक्का किया कि वह सिंधी ही है ओर वह अपने आप को मुंबई ,कोलकाता एवं इंदौर का रहवासी बता रहा था इस घटना को सहयोगियों ने सोशल मीडिया व्हाट्सएप ग्रुप में डाला गया। फिर इस युवक को लेकर शहर थाने पहुंचे ओर पूरे मामले की जानकारी से थाना प्रभारी को अवगत कराया।पुलिस के सहयोग से युवक के परिजनों का पता लगाने का संदेशों के माध्यम से युवक के माता-पिता इंदौर निवासी से संपर्क हुआ। तत्पश्चात उसके परिजन गंजबासौदा पहुंचे और अपने गुमशुदा युवक से मिल सके। अपने बेटे से मिलकर माता पिता भावुक हो गए और उन्होंने शहर के युवा समाजसेवी गगन दुवे व रोहित रघुवंशी एवं स्थानीय सिंधी समाज का आभार जताया। सिंधी समाज ने युवा समाजसेवी गगन दुवे का सम्मान सिंधी धर्मशाला त्योंदा रोड पर किया।

**मेट्रो एंकर** नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से कलेक्टर्स को दिये निर्देश

# आगामी ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए पेयजल के वैकल्पिक स्रोत विकसित किए जाएं

**नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो**

नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी ने जल जीवन मिशन योजना की समीक्षा करते हुए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नर्मदापुरम संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर्स को निर्देश दिए की वे सभी आगामी ग्रीष्म ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए अभी से पेयजल के वैकल्पिक स्रोत को विकसित करें। कमिश्नर ने कहा कि कई नलकूपों में पानी सूख रहा है एवं जल संकट भी गहरा सकता है। कई जगह जल परिवहन की स्थिति भी आ सकती है। इन सब चीजों को दृष्टिगत रखते हुए पेयजल की वैकल्पिक व्यवस्था

- **जनसुनवाई में तत्काल निराकृत होने वाले प्रकरण तत्काल निराकृत करें**
- **ऑफिसर्स क्लब में कल्चरल गतिविधियां शुरू की जाए**

भी बनाए रखें। कमिश्नर ने कहा कि किसी भी स्थिति में आम जनता को पानी के लिए परेशान ना होना पड़े। कमिश्नर ने नर्मदा पुरम में स्थित ऑफीसर्स क्लब के संबंध में कलेक्टर नर्मदापुरम को निर्देश दिए

की ऑफीसर्स क्लब में छोटी - छोटी कल्चरल गतिविधियां की जाए। गेट टू गेदर एवं छोटे-छोटे मनोरंजन के कार्य की शुरुआत ऑफिसर्स क्लब में हो।

कमिश्नर तिवारी ने कहां कि जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का यथासंभव मौके पर ही निराकरण कर दिया जाए। श्री तिवारी ने कहा कि अतिक्रमण, घर पर कब्जा , नल से पानी बहने, नाली की सफाई, जैसी शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई की जा सकती है, ऐसी शिकायतों पर तत्काल दो से तीन घंटे में एक्शन लेते हुए निराकरण कर दिया जाए। कमिश्नर ने कहा कि जो प्रकरण तत्काल निराकृत हो सकते हैं उन्हें अनावश्यक रूप से संबंधित अधिकारी को मार्क करके लंबित न रखा जाए। उन्होंने कहा कि यथासंभव सभी कलेक्टर स्वयं जनसुनवाई करें।

कमिश्नर ने जनसुनवाई सीपीग्राम पोर्टल, सीएम हेल्पलाइन के प्राप्त प्रकरणों पर भी त्वरित गति से कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही कहां की लोकसभा गारंटी में प्राप्त हरदा, बैतूल एवं नर्मदापुरम के सीमांकन के प्रकरण तत्काल निराकृत कर पोर्टल पर अपलोड किए जाएं। एक पेड़ मां के नाम अभियान की समीक्षा करते हुए कमिश्नर श्री तिवारी ने सभी जिलों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत को निर्देश दिए कि वह द्वितीय एवं तृतीय फोटो पोर्टल में अपलोड करें। वर्तमान में द्वितीय एवं तृतीय फोटो की कम संख्या पर कमिश्नर ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि लगाए गए पौधे के साथ द्वितीय एवं तृतीय फोटो पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड की जाए। नर्मदापुरम कलेक्टर सोनिया मीना ने बताया कि जिला पंचायत में कंट्रोल रूम बनाकर प्रतिदिन अपलोड फोटो की मार्किंग की जाएगी। कमिश्नर श्री तिवारी ने निर्देश दिए कि इस हफ्ते एक पेड़ मां के नाम अभियान में अपेक्षित प्रगति लाई जाए।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान नर्मदापुरम कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना, हरदा कलेक्टर आदित्य सिंह, बैतूल कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी ऑनलाइन एवं संयुक्त आयुक्त विकास जी सी दोहर ऑफलाइन उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा दिए दिशा-निर्देश

# महाकुंभ के श्रृद्धालुओं के लिए रेलवे स्टेशनों और बस स्टैंडों पर सुविधाओं में व्यवधान न हो

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन ने आज मंगलवार की सांय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी जिलों की रेलवे स्टेशन और बस स्टॉप से प्रयागराज महाकुंभ में पहुंचने वाले यात्रियों की सुविधा की दृष्टि से क्या-क्या प्रबंध सुनिश्चित किये जाना है के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान उपस्थित जिलों के कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक को जिलों के रेलवे स्टेशन पर ट्रेन और बस स्टॉप पर बसों से प्रयागराज महाकुंभ जाने वाले श्रृद्धालुओं को किसी भी प्रकार की कोई असुविधा ना हो को ध्यानगत रखते हुए पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित करने के लिए दिशा निर्देश दिए हैं। इस संबंध में उन्होंने कहा कि रेलवे स्टेशनों पर मेडिकल टीम फायर ब्रिगेड सहित पेयजल, टेंट, एंबुलेंस फायर ब्रिगेड इत्यादि के प्रबंध सुनिश्चित करें।

विदिशा एनआईसी व्हीसी कक्ष में इस दौरान कलेक्टर रौशन कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी, अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत चैबे सहित स्वास्थ्य विभाग, नगर पालिका, रेलवे, जीआरपी और आरपीएफ के अधिकारी मौजूद रहे।

प्रमुख सचिव द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में कलेक्टर एवं एसपी ने एनआईसी के व्हीसी कक्ष में उपस्थित रेलवे, स्वास्थ्य, नगरपालिका और जिला परिवहन विभाग के अधिकारियों को विदिशा एवं गंजबासौदा के रेलवे स्टेशन के साथ-साथ बस स्टॉप और अन्य माध्यमों से प्रयागराज महाकुंभ में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी का सामना ना करना पड़े, यात्रा सुरक्षित हो तथा किसी भी प्रकार की कोई जनहानि ना होने पाए को दृष्टिगत रखते हुए तमाम प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सुविधाओं में किसी भी प्रकार का व्यावधान उत्पन्न ना हो का ध्यान रखें।

कलेक्टर ने रेलवे के अधिकारी तथा जीआरपी और आरपीएफ के अधिकारियों को रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के माध्यम से प्रयागराज महाकुंभ पहुंचने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए बैरिकेट्स इत्यादि के प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने मुख्य नगर पालिका अधिकारी और सीएमएचओ को भी निर्देशित किया है कि रेलवे स्टेशन पर डॉक्टर नर्स की एक टीम भी उपस्थित रहे। साथ ही फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस के प्रबंध भी सुनिश्चित हों। डॉक्टर और नर्स सहित अन्य जिम्मेदार अधिकारियों के नंबर भी दर्ज कराए जाएं। ताकि आवश्यकता पड़ने पर उन नंबरों पर संपर्क किया जा सके, रेलवे स्टेशन पर हेल्प डेस्क भी हो ताकि यात्रियों को यहां वहां भटकना ना पड़े। उन्होंने जिला परिवहन अधिकारी को निर्देशित किया है कि जो चिन्हित बसें प्रयागराज महाकुंभ श्रृद्धालुओं को ले जा रही हैं उन बस ऑपरेटरों की बैठक कर आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित कराएं।

स्वास्थ्य विभाग कर रहा किसी गंभीर और बड़ी घटना का इंतजार

# नगर में झोला छाप डॉक्टरों की भरमार लोगों की जान से कर रहे खिलवाड़

- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई करने के दिए हैं निर्देश
- क्यों नियमों को तांक पर रखकर जिंदगियों से खिलाबाड पर उतारू है प्रशासन
- नोटिस नोटिस खेल रहे झोलाछाप डॉक्टरों की हिम्मत है, लटेरी बीएमओ
- लागातार खबरों के प्रकाशन के बाद भी कार्यवाही नहीं, आखिर किसका है दवाब

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

सिरोंज-लटेरी के झोला छाप डॉक्टर अपने आप को किसी एमबीबीएस से कम नहीं आंकते, बाशर्ते मरीज उनके पास पहुंच जाए, भोपाल के एम्स में होने वाला इलाज भी आप इन्हीं डॉक्टर से करा सकते हो, महिलाओं की डिलीवरी कराने से भी नहीं चूकते ये झोला छाप डॉक्टर।

### मध्य प्रदेश में अब झोलाछाप डॉक्टरों की खैर नहीं

मोहन सरकार इन झोलाछाप डॉक्टरों को लेकर एक्शन मोड पर आ गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के सभी कलेक्टरों और जिला चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारियों को फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। बताया जा रहा है कि अब प्रदेश में सक्रीय ऐसे सभी डॉक्टरों की सूची बनाकर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। प्रदेश सरकार ने सभी कलेक्टरों, जिला चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारियों को झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश जारी किये हैं। साथ ही, भविष्य में भी ऐसे फर्जी डॉक्टरों पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए जरूरी कार्रवाई की व्यवस्था करने के निर्देश दिये हैं।

### महिलाओं की डिलेवरी कराने से भी पीछे नहीं हटते

सरकार द्वारा जच्चा बच्चा की सुरक्षा एवं सुरक्षित डिलीवरी के लिए व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। जिले के कलेक्टर गम्भीरता से नजर बनाए हुए हैं लेकिन इसके इतर झोलाछाप डॉक्टरों द्वारा धड़ल्ले से गर्भवती महिलाओं की डिलीवरीयां कराई जा रही है। सूत्रों की माने तो कई बार इन क्लीनिकों पर गम्भीर घटनाएं भी घटित हो चुकी है लेकिन प्रशासन बे खबर है। सूत्र बताते है कि सरकारी अस्पताल की मिलीभगत से कुछ क्लिनिकों पर महिलाओं के प्रसब कराए जा रहे हैं इन प्रसब के दौरान निकले गए बेस्टज मटेरियल की जांच में बड़ा खुलासा हो सकता है।

### झोलाछाप डॉक्टरों सरकार हुई सख्त

गौरतलब है कि, प्रदेश के अधिकतर नगरीय एवं ग्रामीण इलाकों में झोलाछाप डॉक्टर सक्रिय हैं। ये फर्जी डॉक्टर अवैध रूप से क्लीनिक संचालित कर लोगों की जान से खिलवाड़ करते हैं। इसके कई मामले लगातार सामने आते रहे हैं। इन्हीं कारणों को मद्देनजर रखते हुए मध्य प्रदेश सरकार ने इन फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश जारी किए हैं।

### नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सक्रिय झोला छाप डॉक्टर

लटेरी नगर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में आपको हर जगह झोलाछाप डॉक्टर इलाज करते हुए नजर आते रहते हैं। इन झोलाछाप डॉक्टरों द्वारा बेधड़क होकर मरीजों का इलाज किया जा रहा है। इन झोलाछाप डॉक्टरों द्वारा भोली भाली जनता को गुमराह करके उनके जीवन से खिलवाड़ किया जा रहा है।सूत्रों की माने तो कुछ झोलाछाप महिला डॉक्टर महिलाओं की डिलीवरी तक अपने क्लीनिक में करा देती है। कई नवजात की जान भी डिलीवरी कराते समय जा चुकी है।

### मेडिकल स्टोर भी संचालित कर रहे झोलाछाप डॉक्टर

अगर आप नगर में किसी झोला छाप डॉक्टर के पास इलाज कराने जाते हैं तो आपको दवा लाने के लिए किसी मेडिकल पर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी, क्योंकि इन झोलाछाप डॉक्टरों के द्वारा स्वयं के मेडिकल संचालित किए जा रहे हैं। साथ ही सभी अंग्रेजी दवाइयां इनके क्लीनिक पर उपलब्ध रहती हैं। सबसे बड़ा जांच का विषय यह है कि इनके पास इतनी मात्रा में थोक में दवाइयां कहां से प्राप्त होती हैं।

### प्रशासन मौन आखिर कार्यवाही करेगा कौन

पूरे प्रदेश में झोलाछाप डॉक्टरों पर कार्य वाही की जा रही है, लेकिन कार्य वाही के नाम पर विदिशा जिले के लटेरी प्रशासन के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही है। आखिरकार यह सोचनीय विषय है कि प्रशासन किसके दबाव के कारण झोलाछाप डॉक्टरों पर कार्रवाई नहीं कर रहा है।

कहते हैं डॉक्टर को धरती का भगवान माना जाता है पर यही फर्जी डॉक्टर भस्मासुर की तरह भगवान शंकर को भस्म करने पर उतारू हो जाएं तो कार्यवाही लाजमी हो जाती है... !! जिंदगी भर की पूंजी और ज्ञान को आधार बनाकर एमबीबीएस तक सफर करना किसी देवता की तपस्या से कम नही होता... !! लेकिन उनकी ही इस तपस्या को झोलाछाप डॉक्टर भंग करने पर उतारू है तो फिर इन्हें भगवान क्यों माना जाए... !! अब आपको लटेरी नगर में हर बीमारी का इलाज कराने किसी न्यूरो सर्जन या स्पेशलिस्ट तक जाने की आवश्यकता नही है... !! यहां मल्टीस्पेशलिस्ट, स्त्री रोग विशेषज्ञ, गुप्त रोग विशेषज्ञ सब एक ही गली में प्राप्त हो सकते है, जिसका नाम है मिर्ची बाली गली सहित नया बस स्टेण्ड और आनंदपुर रोड... !

ब्लॉक में इन दिनों हर मर्ज का इलाज धड़ल्ले से किया जा रहा है। फर्जी अस्पतालों को खोलकर नाम रख लिए मल्टीस्पेशलिस्ट इनमें आपको कोई एमबीबीएस नही अपितु नीम हकीम सहित बो लोग मिलेंगे जिनको डॉक्टरी का डा भी पता नही होगा। इनके द्वारा मरीजों का इलाज भी आसानी से किया जा रहा है जनता के खून पसीने की कमाई को आसानी से छीना जा रहा है। इन सबके बाबजूद ग्रामीण क्षेत्रों में भी झोलाछाप डॉक्टरों की बाड़ सी आई हुई है आपको हर जगह चैक चैराहे पर झोलाछाप डॉक्टर बैठे हुए नजर आ जाएंगे।

### किस डिग्री का क्या है मतलब

**BAMS - बैचलर ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन** – इस डिग्री वाला डॉक्टर मरीज का आयुर्वेदिक दवाइयां से इलाज कर सकता है। लेकिन लटेरी में इस डिग्रीधारी द्वारा एलोपैथिक पद्धति से धड़ल्ले से मरीजों का इलाज किया जा रहा है।

**BHMS -बैचलर ऑफ होम्योपैथिक मेडिसिन** – इस डिग्री को लेने वाला डॉक्टर मरीज का होम्योपैथिक इलाज कर सकता है अंग्रेजी दवाइयों का नहीं।लेकिन यहां पर इस डिग्री वाले डॉक्टर एमबीबीएस की भांति निडर होकर इलाज कर रहे हैं।

**BUMS -बैचलर ऑफ यूनानी मेडिसिन** – इस डिग्री वाला डॉक्टर मरीज का सिर्फ यूनानी दवाइयों से इलाज कर सकता है। अंग्रेजी दवाइयां से इलाज करना उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं है।

**MBBS- बैचलर ऑफ मेडिसिन** – इस डिग्री वाला डॉक्टर एलोपैथी यानी अंग्रेजी दवाइयों से मरीजों का इलाज कर सकता है। आप इस डॉक्टर को अगर दूरबीन से भी खोजोगे तो लटेरी में दिखाई नहीं देगा सिर्फ सरकारी अस्पताल में कभी-कभी दिखाई देते हैं।

पूर्व में कांग्रेस विधायक पर अवैध खेती करवाने के लगं हैं आरोप

डूब क्षेत्र के अतिक्रमण कारियों पर प्रशासन की कार्रवाई का नेता प्रतिपक्ष ने किया विरोध

# क्या बेहोश अन्नदाता को बेरहमी से खींच कर ले जाने वाले अधिकारियों पर होगी कार्रवाही?

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

कैथल डैम में अवैध रूप से खेती करने वालों पर सिंचाई विभाग के द्वारा निरंतर करवाई की जा रही है। इसी क्रम में सोमवार को संयुक्त रूप से प्रशासन ने करवाई करते हुए 80 बीघा के करीब डूब क्षेत्र की जमीन पर 6 ट्रैक्टर चलवा कर फसलों को नष्ट करवाया है। इसमें अतिक्रमण धारी मूलचंद ने प्रशासन से 8 से 10 दिन का समय मांगा था समय नहीं मिलने पर वह बेहोश हो गया था, जिसको लेकर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार ने एक पोस्ट करते हुए लिखा कि रोती रही पत्नी, बेहोश हुआ किसान, लेकिन सरकार का दिल नहीं पसीजा।

सिरोंज में मूलचंद नाम के किसान की फसल पर जब प्रशासन ने ट्रैक्टर चला दिया, तो सदमे में आकर वह बेहोश हो गया। पत्नी गुहार लगाती रही, कि बस 8-10 दिन दे दो, फसल काट लेंगे,÷ लेकिन निर्दयी प्रशासन ने नहीं सुनी। अपने हर भाषण में खुद को किसान हितैषी बताने वाले सीएम मोहन यादव जी क्या यही है आपका किसानों के साथ इंसाफ। इसके अलावा मंगलवार को किसान

काग्रेस सुरेंद्र रघुवंशी को इनके पास भेजा और मोबाइल पर इनसे बात करते हुए इनकी मदद करने का आश्वासन दिया है दूसरी ओर किसान रघुवंशी ने कहा कि भाजपा से जुड़े हुए दबंगों को तो प्रशासन फसल काटने का समय देता है, इन पर प्रशासन कार्रवाई नहीं कर रहा है गरीबों पर जरूर ट्रैक्टर चलवा कर उनकी फसलों को नष्ट कर दिया है। एक तरफ से सभी पर कार्रवाई होनी थी दूसरी और अर्थदंड की राशि इनसे कैसे ली गई है । अर्थदंड लिया है तो फसल नष्ट नहीं करनी थी कैथन डेम की भूमि में खेती का भी समर्थन नहीं करते हैं पर प्रशासन ने जिस तरह से पक्षपात रुप से की गई कार्रवाई की है हम इसका विरोध कर रहे हैं। वहीं सिंचाई विभाग के अधिकारियों कहना हमने कोई रसीद नहीं कटी है जो रसीद उनके पास है वह तहसीलदार के यहां से काटी गई है। वही तहसीलदार का भी कहना है कि हमारे द्वारा सिंचाई विभाग की भूमि पर रसीद काटने का अधिकारी नहीं है।

### खेती से पानी होता है दूषित

केथन डैम की डूब क्षेत्र से खाली होने वाली जमीन पर बरसों से व्यापक स्तर पर खेती किया इस वजह से इसका पानी भी दूषित हो रहा है शहर वासी कई तरह की बीमारी से ग्रसित हो रहा है क्योंकि खेती करने वालों के द्वारा उर्वरक से लेकर कीटनाशक दवाई भी डालने का कार्य किया जाता है बरसात के दौरान यह पूरे डैम के पानी में घुल जाती है इस वजह है पानी में कीटनाशक मिल जाते हैं इसका उपयोग शहर वासी को पीने के लिए किया जाता है उसके लिए डेम का निर्माण हुआ है इसके विपरीत डेम की भूमि में खेती हो रही है जिसका कोई समर्थन नहीं करता है खेती करने वालों के द्वारा कुछ अधिकारी कर्मचारियों से मिली भगत करके इस काम को अंजाम दिया जाता है पहले भी अबैध रूप से खेती करने वालों पर प्रशासन कार्य कर चुका है।

### खेती होने से पानी की होती है किल्लत

डूब क्षेत्र की खाली होने वाली जमीन में अवैध रूप से खेती होने से गर्मियों के दिनों में पानी को लेकर परेशानी होती है पिछले साल तो दो से तीन दिन छोड़कर जल सप्लाई की जा रही थी उसे तरह की भयंकर स्थिति इस बाल ना बने इसके लिए प्रशासन समय से पहले ही अतिक्रमणकारियों पर कार्रवाई करके पानी को बचाने में लगा हुआ है। क्योंकि खेती करने वाले डैम का पानी सिंचाई के लिए उपयोग करते हैं इस वजह से डेम। जल्दी खाली हो जाता है।

### बिजली विभाग पर लगानी होगी लगाम

डेम से पानी चोरी करवाने और खेती करवाने में बिजली वितरण कंपनी की भी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है क्योंकि अवैध रूप से खेती करने वाले एवं पानी चोरी करने वालों को बिजली कनेक्शन भी इनके द्वारा दे दिए जाते हैं । इसलिए प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों को इन पर भी विशेष ध्यान देना होग बिजली विभाग के अधिकारी कर्मचारी यदि यह पर कनेक्शन देना बंद कर दे तो पानी चोरी होना बंद हो जाएगा खेती पर भी काफी हद तक रोक लगा सकती है।

### इनका कहना है

हमने कोई रसीद नहीं काटी है अवैध रूप से खेती करने बालों को पहले ही नोटिस देकर फसल ना लगने के लिए सूचित किया था इसके बाद भी जबरन फसल लगाई है हमने अपनी जमीन को खाली करवाया है।

-कमलेश कुमार
एसडीओ सिंचाई विभाग

# जनसुनवाई में 111 आवेदन प्राप्त हुए, 91 का मौके पर किया निराकरण

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के द्वारा हरेक मंगलवार को जनसुनवाई कार्यक्रम के माध्यम से आवेदको के आवेदनो का निराकरण मौके पर किया जा रहा है। जनसुनवाई कार्यक्रम में 111 आवेदको के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किए गए थे जिसमें से मौके पर 91 आवेदनो का निराकरण किया गया है। कलेक्ट्रेट के भूतल स्थित जनसुनवाई कक्ष के समीप स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपचार केम्प के कार्यो का भी संपादन किया गया है।

आज सम्पन्न हुई जनसुनवाई में अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर, जिला पंचायत सीईओ ओपी सनोडिया, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती मोहिनी शर्मा, श्रीमती शशि मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर संतोष बिटौलिया के अलावा विभिन्न विभागो, के जिलाधिकारी मौजूद रहे और वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से अन्य अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों एवं खण्ड स्तरीय अधिकारियों से संवाद किया गया है।

# जोन स्तरीय साहित्यिक एवं खेल-कूद स्पर्धा का सफल आयोजन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा जोन स्तरीय साहित्यिक एवं खेलकूद प्रतियोगिता के दूसरे दिन विविध प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया। साहित्यिक प्रतियोगिताओं में लघुकथा, वाद-विवाद, निबंध लेखन, व्यंग्य लेखन, कविता लेखन आदि शामिल रहे, जिसमें बालक एवं बालिका वर्ग के प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

खेलकूद स्पर्धाओं में 100 मीटर दौड़, भाला फेंक, कबड्डी, शतरंज, कैरम, बैडमिंटन, लॉन्ग जंप और हाई जंप जैसी प्रतियोगिताएँ संपन्न हुईं। इन स्पर्धाओं में बच्चों ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं का मूल्यांकन पीटीआई टीम एवं डाइट में पदस्थ प्राचार्य जीपी राठी के मार्गदर्शन में किया गया। निर्णायक मंडल में एसपी सिंह जाटव, ब्रज श्रीवास्तव, बलराम चैधरी, प्रमोद चैहान, श्रीमती आभा पाराशर, विजय श्रीवास्तव, शिवकुमार तिवारी, नरेंद्र कुमार वर्मा, श्रीमती इंदुमती खरे, श्रीमती मुक्ता श्रीवास्तव, श्रीमती निशा तिवारी एवं व्हीके जैन शामिल रहे। प्रतियोगिताओं में लगभग 100 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिन्होंने अपने रचनात्मक और शारीरिक कौशल का प्रदर्शन किया।

मेट्रो एंकर पाठ्यक्रम आधारित पुस्तकें वितरण हेतु दिशा-निर्देश जारी

# नवीन स्कूली शैक्षणिक सत्र एक अप्रैल से प्रारंभ होगा: कलेक्टर

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने शासन के निर्णय अनुसार नवीन स्कूली शैक्षणिक सत्र 2025-26 के संदर्भ में जारी निर्देशों का अक्षरशः कियान्वयन समय-समय में कराया जाना सुनिश्चित हो की तैयारियों को मुर्तरुप देने के लिए प्रबंध हर स्तर पर पूर्व में ही पूरे करा लिए जाने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं।

गौरतलब हो कि नवीन शैक्षणिक सत्र 1 अप्रैल 2025 से शासन के निर्देश अनुसार प्रारंभ किया जा रहा है। इससे पहले इसके लिये आवश्यक होगा कि 1 अप्रैल 2025 के पूर्व समस्त विद्यालयों में निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों की उपलब्धता सुनिश्चित हो।

पाठ्यपुस्तक निगम के द्वारा 17 फरवरी 25 से निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें विकासखंड स्तर पर प्रदाय किया जाना प्रारंभ किया गया है।

विकासखंड स्तर से विद्यालय तक पाठ्य पुस्तकों को परिवहन की व्यवस्था संबंधित विकासखंड कार्यालय द्वारा की जाना है। इस संबंध में राज्य शिक्षा केन्द्र के द्वारा पूर्व में जारी दिशा-निर्देश युक्त पत्र के माध्यम से विस्तृत निर्देश जारी किये गये हैं। विकासखंड स्तर से परिवहन का कार्य 5 मार्च से प्रारंभ किया जाना है।

कलेक्टर ने निर्देश प्रसारित किए हैं कि अतः यह आवश्यक होगा कि जिला स्तर पर निर्देशों के अनुपालन में जिला स्तरीय तमाम कार्यों के लिए जो समय-सीमा तय की गई है उसमें कोई चूक ना हो। जैसे फरवरी माह तक परिवहन की दरें निर्धारित कर ली जाएं। जिले स्तर से भण्डार क्रय नियम का पालन करते हुये निविदा के माध्यम से अथवा अन्य उपलब्ध दरों पर परिवहन हेतु दर निर्धारण की कार्यवाही की जा सकती है।

कलेक्टर ने कहा है कि यह कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता से समय-सीमा में पूर्ण करने में कोई चूक ना हो को ध्यानगत रखते हुए कार्य पूर्ण हो।

# चैंपियंस ट्रॉफी आज से- पहला मैच पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच

## पिछले तीनों मुकाबले कीवी टीम जीती, इनमें दो सेमीफाइनल

**नईदिल्ली. एजेंसी**

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आगाज आज से हो रहा है। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला आज ग्रुप-ए की टीम पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। पाकिस्तान डिफेंडिंग चैंपियन है। वहीं, न्यूजीलैंड ने साल 2000 में खिताब जीता था। पाकिस्तान टूर्नामेंट इतिहास में अब तक न्यूजीलैंड को नहीं हरा सका हैं। वनडे में आखिरी बार दोनों टीमें इसी महीने की 14 तारिख को आमने-सामने हुई थीं। जब न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को ट्राई सीरीज का फाइनल हराकर खिताब जीता था।

चैंपियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड ने पाक के खिलाफ 100 फीसदी मैच जीते चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान और न्यूजीलैंड की टीमें 3 बार भिड़ी हैं। तीनों मुकाबले कीवी टीम ने जीते हैं। इसमें साल 2000 और 2009 के सेमीफाइनल भी शामिल हैं। वनडे में दोनों टीमें 118 बार आमने-सामने हुईं। इसमें पाकिस्तान ने 61 और न्यूजीलैंड ने 53 मैच जीते। जबकि 3 मैचों के रिजल्ट नहीं निकल सके और एक टाई रहा। लॉकी फर्ग्यूसन चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन पैर की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह काइल जेमिसन को मौका दिया गया है। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन करीब 10 दिन पहले यूएई की लीग ढ्रुक्ष20 के एक मुकाबले के दौरान चोटिल हो गए थे।

विलियम्सन इस साल टीम के टॉप स्कोरर न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियम्सन इस साल वनडे में टीम के टॉप स्कोरर हैं। उन्होंने 3 मैचों में 225 रन बनाए हैं। दूसरे नंबर पर डेरिल मिचेल हैं। उन्होंने 6 मैचों में 188 रन बनाए हैं। बॉलिंग में तेज गेंदबाज मैट हेनरी टॉप पर हैं। उन्होंने इस साल 5 मैचों में 14 विकेट लिए हैं। विलियम ओरूर्क 6 मैचों में 9 विकेट के साथ दूसरे नंबर पर हैं। शाहीन ने पाकिस्तान के लिए सबसे ज्यादा विकेट लिए पाकिस्तान के लिए इस साल ऑलराउंडर सलमान आगा ने सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। उन्होंने 3 मैचों में 219 रन बनाए हैं। टीम को इस मैच में भी उनसे उम्मीद होगी। फास्ट बॉलर शाहीन शाह अफरीदी इस दौरान टॉप विकेट टेकर हैं। शाहीन ने 3 मैचों में 6 विकेट झटके हैं। पिच और टॉस रिपोर्ट कराची के नेशनल स्टेडियम की पिच बैटिंग-फ्रेंडली है। इस मैदान पर हमेशा हाई स्कोरिंग मुकाबले देखने को मिलते हैं। यहां बॉलर्स के लिए कुछ खास नहीं होता। मैच जैसे -जैसे आगे ब?गा ओस बड़ा प्रभाव डालेगी। ऐसे में टॉस जीतने वाली टीम पहले फील्डिंग का फैसला ले सकती है। यहां अब तक 56 वनडे खेले गए हैं। पहले बैटिंग करने वाली टीम ने 26 और दूसरी पारी में बैटिंग करने वाली टीम ने 28 मैच जीते। वहीं, दो मुकाबलों का रिजल्ट नहीं निकल सका। यहां का हाईएस्ट स्कोर 355/4 है, जो पाकिस्तान ने इसी महीने साउथ अफ्रीका के खिलाफ बनाया था। कराची के मौसम का हाल बुधवार को कराची में धूप के साथ बहुत गर्म मौसम रहेगा।

**दोनों टीमों की पॉसिबल प्लेइंग-11 पाकिस्तान:** मोहम्मद रिजवान (कप्तान), बाबर आजम, फखर जमान, सऊद शकील, सलमान आगा, तैयब ताहिर, खुशदिल शाह, फहीम अशरफ, शाहीन शाह अफरीदी, नसीम शाह और अबरार अहमद।

**न्यूजीलैंड:** मिचेल सेंटनर (कप्तान), विल यंग, डेवॉन कॉन्वे, केन विलियम्सन, डेरिल मिचेल, टॉम लैथम, ग्लेन फिलिप्स, माइकल ब्रेसवेल, नाथन स्मिथ, जैकब डफी और विलियम ओरूर्क।

# इथोपिया के योमिफ केजेल्चा ने 1 सेकेंड के अंतर से से विश्व रेकॉर्ड बना दिया

**वेलेंसिया (स्पेन). एजेंसी**

इथोपिया के धावक योमिफ केजेल्चा ने रविवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए यहां वेलेंसिया हाफ मैराथन में विश्व रेकॉर्ड बनाकर खिताब अपने नाम किया। इस दौरान उन्होंने लिस्बन में तीन साल पहले बनाए युगांडा के जैकब किप्लिमो के रेकॉर्ड को सिर्फ एक सेकेंड के अंतर से तोड़ा। योमिफ ने पुरुष हाफ मैराथन 57 मिनट और 30 सेकेंड में पूरी कर रेकॉर्ड बनाया। इससे पहले 2021 में जैकब किप्लिमो ने 57 मिनट और 29 सेकेंड का समय निकाला था। योमिफ केजेल्चा ने करियर की छठी हाफ मैराथन में कमाल किया और विश्व रेकॉर्ड बनाया। इससे पहले, उन्होंने 2019 में वन मील वर्ल्ड इंडोर चैंपियनशिप में 3 घंटे 47.01 मिनट के साथ विश्व रेकॉर्ड बनाया था। इथोपियाई एथलीट योमिफ ने वेलेंसिया में विश्व रेकॉर्ड जीत के दौरान केन्या के डेनिएल माटिएको और इसाया किपकोएच को पीछे छोड़ा, जो उनसे काफी पीछे क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। पेरिस ओलंपिक में पदक नहीं जीतने का मलाल- दो विश्व रेकॉर्ड अपने नाम कर चुके योमिफ केजेल्चा को हालांकि पेरिस ओलंपिक 2024 में पदक नहीं जीत पाने का बेहद मलाल है। पेरिस में केजेल्चा ने 10 हजार मीटर रेस में शिरकत की थी। हालांकि वह आधे से ज्यादा समय तक शीर्ष पर थे, लेनिक आखिरी कुछ मीटर में पिछड़ गए और छठे स्थान पर रहे।

# WPL : वडोदरा में आज यूपी व दिल्ली, शेफाली पर निगाहें

वडोदरा। विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) का छठा मैच यूपी वारियर्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेला जाएगा। मैच शाम 7:30 बजे से वडोदरा के कोटांबी स्टेडियम में शुरू होगा। दिल्ली कैपिटल्स ने टूर्नामेंट में अब तक 2 मैच खेले हैं। टीम को एक में जीत और एक हार का सामना करना पड़ा हैं। यूपी वारियर्स का इस सीजन यह दूसरा मैच होगा। टीम को पहले मुकाबले में गुजरात जाइंट्स ने 6 विकेट से हराया था। पिछले बार जब दोनों टीमें आमने-सामने थी तब यूपी ने दिल्ली को 1 रन से हराया था। इस मैच की प्लेयर ऑफ द मैच दीप्ति शर्मा थी। हेड टु हेड में दिल्ली आगे के अब तक दो सीजन मिलाकर दिल्ली और यूपी ने 4 मैच खेले हैं। इसमें दिल्ली ने 3 मैच अपने नाम किए हैं। वहीं यूपी वारियर्स ने 1 मैच जीता है। दिल्ली को शेफाली से उम्मीद स्टार ओपनर शेफाली वर्मा से दिल्ली को तेज शुरुआत की उम्मीद है। उन्होंने इस सीजन के पहले मैच में मुंबई के खिलाफ 18 बॉल पर 43 रन की पारी खेली थी। हालांकि सोमवार को रेणुका ठाकुर ने उन्हें शून्य के स्कोर पर पवेलियन भेज दिया था। शेफाली ने 20 ड्रुक्कमैच में 604 रन बनाए हैं। टीम के बॉलिंग लाइन अप को शिखा पांडे लीड करती हैं। उन्होंने मुंबई के खिलाफ मात्र 14 रन देकर 2 विकेट लिए थे। शिखा के साथ टीम में एलिस कैप्सी, राधा यादव, मिन्नू मणि जैसी बॉलर्स हैं। शिखा ने 20 मैच में 22 विकेट लिए हैं।

# अल क्लासिको-बार्सिलोना ने रियाल मैड्रिड को हराकर खुद का रेकॉर्ड बचाया

**मैड्रिड. एजेंसी**

रॉबर्ट लेवांदोवस्की के दो गोल की बदौलत बार्सिलोना ने स्पेनिश ला लीगा फुटबॉल के मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी रियाल मैड्रिड को 4-0 से हरा कर अपना रेकॉर्ड बचा लिया। इस जीत के साथ ही बार्सिलोना ने ला लीगा में रियाल मैड्रिड का 42 मैचों से चला आ रहा विजय रथ थाम लिया। ला लीगा में लगातार 43 मैच जीतने का रेकॉर्ड बार्सिलोना के नाम है। बार्सिलोना ने 2017-18 सीजन में यह रेकॉर्ड बनाया था। रियाल मैड्रिड की टीम बार्सिलोना के रेकॉर्ड से महज एक मैच पीछे रह गई। अल क्लासिको-स्पेन के शीर्ष क्लब रियाल मैड्रिड और बार्सिलोना के बीच मैच को अल क्लासिको कहा जाता है। इन दोनों की अन्य टूर्नामेंटों में भी कई बार टक्कर हुई है।

**13 महीने बाद पहली हार:** कोच कार्लो एंसेलोटी की रियाल मैड्रिड टीम 13 महीने के बाद ला लीगा में कोई मैच हारी है। हालांकि इस मैच में भी बार्सिलोना और रियाल मैड्रिड के बीच पहला हाफ गोलरहित रहा था। ऐसा लग रहा था कि रियाल यह मैच ड्रॉ करा लेगा।

**दूसरे हाफ में दनादन गोल:** दूसरे हाफ में फिर बार्सिलोना ने आक्रामक खेल दिखाया और एक के बाद एक चार गोल दाग दिए। लेवांदोवस्की ने तीन मिनट में दो गोल किए। उन्होंने 54वें व 56वें मिनट में गोल दागे। 17 साल के लामिन यमाल ने 77वें मिनट में तीसरा गोल किया और फिर राफिन्हा ने 84वें मिनट में टीम को 4-0 की बढ़त दिला दी।

***स्पेनिश ला लीगा:*** **बार्सिलोना ने चिर प्रतिद्वंद्वी क्लब को 4-0 से दी मात**

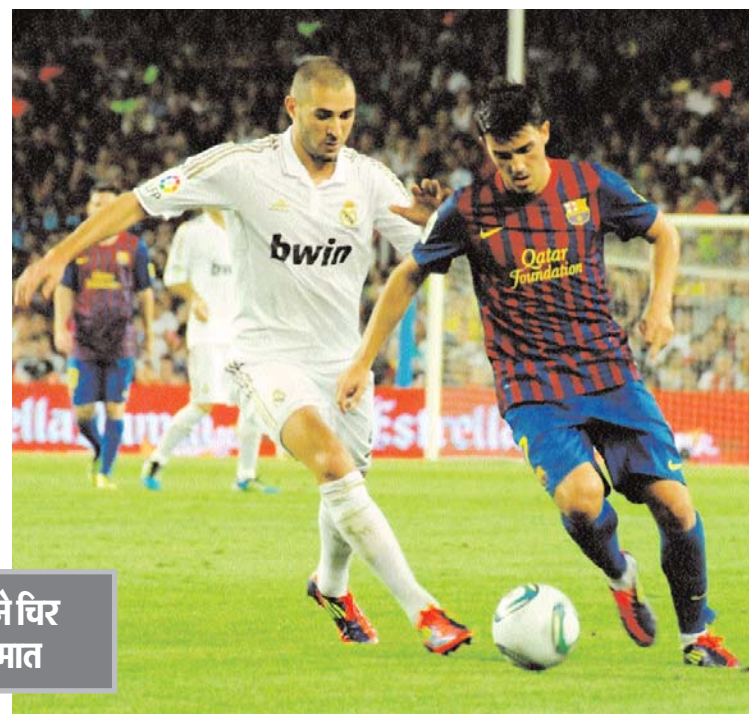

## मेट्रो बाजार

# औद्योगिक मांग बढ़ने से लॉन्ग टर्म में रिटर्न देने में गोल्ड को पीछे छोड़ सकती है चांदी

**नईदिल्ली. एजेंसी**

सोने की कीमतों में इस साल 30 फीसदी से अधिक तो चांदी की कीमतों में 40 फीसदी से अधिक की तेजी आई है। हाल में चांदी की कीमत 1,00,000 रुपए प्रति किलो के पार निकली थी। चांदी का इंडस्ट्रियल यूज भी बढ़ रहा है। यही वजह है कि इसकी कीमत में तेजी आ रही है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज की रिपोर्ट के मुताबिक, मध्यम से लंबी अवधि में चांदी का प्रदर्शन सोने के बराबर या उससे बेहतर हो सकता है। अगले 12 से 15 माह में एमसीएक्स पर चांदी 1,25,000 रुपए प्रति किलो और कॉमेक्स पर 40 डॉलर प्रति औंस तक पहुंचने की उम्मीद है। चीन की अर्थव्यवस्था में सुधार और बेस मेटल्स की बढ़ती मांग भी चांदी की कीमतों को और ऊपर ले जा सकती है। मोतीलाल ओसवाल के मानव मोदी ने कहा कि मध्यम अवधि में सोने की कीमत 81,000 रुपए प्रति 10 ग्राम और लंबी अवधि में 86,000 रुपए तक पहुंच सकती हैं। वहीं कॉमेक्स पर सोना 3,000 डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। एक साल में चांदी की कीमतों में 15-30 फीसदी की बढ़ोतरी हो सकती है। चांदी निवेश का एक नायाब मौका दे रही है, क्योंकि कीमती मेटल होने के साथ ही साथ इसे इंडस्ट्रियल डिमांड का लाभ भी मिल रहा है। ईवी के प्रोडक्शन और सोलर एनर्जी में तेजी, खासकर चीन में इकोनॉमिक रिकवरी से चांदी की कीमतों में और उछाल की उम्मीद है। आने वाले एक साल में इसमें 15-30 फीसदी की रैली देखने को मिल सकती है।

# बाजार की गिरावट से बेफिक्र म्यूचुअल फंड, इक्विटी योजनाओं में बढ़ाया निवेश

**मुंबई. एजेंसी**

बाजार में पिछले 4 हफ्तों से चल रही उठापटक से इक्विटी म्यूचुअल फंड्स के निवेशक बेफिक्र नजर आ रहे हैं। प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स अपने ऑल-टाइम हाई से 7 फीसदी से 10 फीसदी तक टूट चुके हैं, इसके बावजूद खुदरा निवेशक जमकर म्यूचुअल फंड्स की इक्विटी योजनाओं में निवेश कर रहे हैं। म्यूचुअल फंडों की संस्था एम्फी के डेटा के मुताबिक, इस माह खुदरा निवेशकों ने बाजार में आई इस गिरावट का फायदा उठाने के लिए सभी इक्विटी फंड्स में निवश किया है। वहीं टॉप 5 इक्विटी फंड्स कैटेगरी में ही निवेश 17,000 करोड़ रुपए से अधिक है। म्यूचुअल फंड्स ने अब तक भारतीय शेयर बाजार में 70,000 करोड़ रुपए से अधिक निवेश किया है, जिससे बाजार में बड़ी गिरावट को रोकने में मदद मिली है। घरेलू म्यूचुअल फंड्स के पास वर्तमान में करीब 1.85 लाख करोड़ रुपए का कैश था। बाजार का वैल्यूएशन काफी बढ़ जाने से उन्हें बाजार में एंट्री का मौका नहीं मिल रहा था। लेकिन अब बाजार में गिरावट आने से वैल्यूएशन घटा है और कई क्वालिटी शेयर उचित भाव पर मिल रहे हैं, जिसके कारण म्यूचुअल फंड्स शेयर बाजार में अपना निवेश बढ़ा रहे हैं। प्रमुख इक्विटी योजना श्रेणी के प्रबंधन के अधीन संपत्तियों और शुद्ध संपत्ति मूल्य के विश्लेषण से पता चलता है कि एनएवी में गिरावट के बावजूद निवेशक इन योजनाओं में पैसे लगा रहे हैं। लार्जकैप योजनाओं में करीब 2,600 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया गया।

**मनोरंजन** **बॉलीवुड का कोना**

# सलमान खान को रातों में नहीं आती है नींद

कुछ दिनों पहले सलमान खान के दोस्त और राजनेता बाबा सिद्दीकी हत्या कर दी गई थी। इसके बाद से ही सलमान लगातार उनके बेटे जीशान और पूरे परिवार के साथ जुड़े रहते हैं। हाल में ही बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान ने बताया है कि सलमान उनसे लगातार बात करते हैं और रातों में नींद न आने की बात कहते हैं। हाल में ही सलमान खान के दोस्त बाबा सिद्दीकी की लगोली मार कर हत्या कर दी गई थी। इसके बाद से ही बाबा सिद्दीकी के परिवार और सलमान खान पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। हाल में बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान सिद्दीकी ने खुलासा किया है कि उनके पिता के दुखद निधन के बाद से सलमान खान उनके और उनके परिवार का बहुत ध्यान रख रहे हैं और उन्हें समर्थन कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने बताया कि सलमान उनसे रातों को नींद न आने की बात करते हैं। बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद सलमान खान उन सेलिब्रेटिज में से थे, जो उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करने सबसे पहले अस्पताल पहुंचे थे। सलमान बाबा सिद्दीकी के अंतिम संस्कार में भी शामिल हुए थे। अभिनेता के समर्थन को लेकर जीशान सिद्दीकी ने कहा, पिताजी की हत्या के बाद सलमान भाई बहुत दुखी थे। पिताजी और सलमान भाई सगे भाइयों की तरह एक-दूसरे के करीब थे। पिताजी की मृत्यु के बाद, भाई ने बहुत साथ दिया। वह हमेशा मेरा हालचाल पूछते हैं, हर रात, वह मुझसे नींद न आने के बारे में बात करते हैं और उनका समर्थन हमेशा बना रहता है। बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और संजय दत भी बाबा सिद्दीकी की मौत के बाद अपनी संवेदना व्यक्त करने उनके घर आए थे। दिवंगत राजनेता के पुत्र ने कहा कि इस दौरान शिल्पा काफी भावुक थीं। जीशान ने इन सितारों को परिवार बताया और बताया कि वह अपने पिता के दोस्तों को सेलिब्रिटी नहीं मानते, क्योंकि जो लोग उनके घर आते हैं और उनके पिता के साथ दोस्ती करते हैं, वे उन्हें परिवार के सदस्य की तरह लगते हैं।

# फिल्मी करियर में अनुपम खेर के 40 साल पूरे

अनुपम खेर के भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में 40 साल पूरे हो चुके हैं। इस दौरान अभिनेता ने कई यादगार भूमिकाएं की हैं। इस बीच उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट साझा किया है, जिसमें उन्होंने साल 1984 को उनके करियर का सबसे महत्वपूर्ण वर्ष बताया है। अनुपम खेर हिंदी फिल्मों के मशहूर अभिनेता हैं। उन्होंने अपने करियर में कई बेहतरीन भूमिकाएं निभाई हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर अपने बॉलीवुड सफर को याद करते हुए बताया कि साल 1984 उनके जीवन का महत्वपूर्ण वर्ष था। उन्होंने इस दौरान याद करते हुए बताया कि कैसे महेश भट्ट ने उन पर विश्वास किया और उन्हें सारांश में 65 वर्षीय व्यक्ति की भूमिका निभाने का अवसर दिया, जिसने उनके करियर को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने बताया कि इस दौरान लोग उन्हें घमंडी और भ्रमित व्यक्ति के रूप में देखते थे। उन्होंने लिखा, साल 1984 - मेरे लिए एक बनाने या बिगाड़ने वाला वर्ष था। हर दिन मैं नर्वस था और इसने मेरे चरित्र, मेरे धैर्य की परीक्षा ली। मैं काम पाने और अपनी शर्तों पर पहचान पाने के लिए बेताब था।卐 इंडस्ट्री से कोई संबंध नहीं होने के बाद भी उन्होंने अभिनय के सपनों को पूरा करने के लिए अपने दृढ़ संकल्प पर भरोसा किया। इसके बाद उन्हें महेश भट्ट की फिल्म सारांश मिली, जो उनके करियर के लिए महत्वपूर्ण क्षण था।

# आयुष को फिल्मी कॅरियर में सफलता का अब तक इंतजार

अभिनेता आयुष शर्मा बॉलीवुड में सलमान खान के परिवार से रिश्ते के कारण जाने जाते हैं। उनका जन्म 26 अक्टूबर 1990 को हिमाचल प्रदेश के मंडी में हुआ था। उनके पिता हिमाचल प्रदेश के बड़े राजनेताओं में से एक हैं, लेकिन आयुष ने राजनीति की बजाय फिल्म इंडस्ट्री को चुना। स्कूलिंग खत्म होने के बाद आयुष मुंबई आ गए। आयुष शर्मा ने यहां अपना स्ट्रगल शुरू कर दिया। कई फिल्मों में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर भी काम किया। वह सलमान खान की बहन अर्पिता खान के पति हैं। आयुष ने सलमान की फिल्म में भी अहम रोल निभाया था। उन्होंने साल 2018 में बादशाह के म्यूजिक वीडियो से डेब्यू किया था। इसके बाद 'लवयात्री' नाम की फिल्म से बड़े पर्दे पर एंट्री ली थी। जिसके लिए बेस्ट डेब्यू मेल कैटेगरी में नॉमिनेट भी किया गया था। 2020 में वे सई मांजरेकर के साथ एक म्यूजिक वीडियो में नजर आए और 2021 में फिल्म अंतिम- द फाइनल ट्रूथ में काम किया। एक्टर ने बताया कि वह कॉलेज के साथ जूनियर कलाकारों के रोल्स के लिए ऑडिशन देते थे। उन्होंने रणबीर कपूर और दीपिका पादुकोण की फिल्म में बैकग्राउंड डांसर के रूप में काम किया था। आयुष का परिवार सियासी पृष्ठभूमि से है। उनके दादा भी राजनेता रह चुके हैं। उन्होंने पिता की सलाह नहीं मानते हुए फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा। उनके पिता उन्हें इस क्षेत्र में नहीं देखना चाहते थे।

### अवधपुरी थाना क्षेत्र का मामला

# एनआईसी से रिटायर्ड महिला की संदिग्ध मौत, फर्श पर मिली लाश, माथे पर चोट

**दो दिन से पुणे से कॉल कर रहे थे बेटा-बेटी, बिस्तर के पास मुंह के बल पड़ी मिलीं**

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

अवधपुरी थाना क्षेत्र स्थित रिषीपुरम कॉलोनी में राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र से रिटायर्ड महिला अधिकारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुणे में रहने वाले बेटा-बेटी दो दिन से उन्हें फोन लगा रहे थे लेकिन कॉल रिसीव नहीं हो रहा था। कजिन ने सोमवार देर रात घर जाकर देखा तो बेडरूम में महिला की लाश बिस्तर के पास पड़ी मिली। सूचना मिलते ही एफएसएल पार्टी के साथ पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। थाना प्रभारी का कहना है कि अटैच बाथरूम का दरवाजा खुला और बाहर पानी भरा हुआ था। वस्त्रहीन हालत में महिला फर्श पर मुंह के बल पड़ी थी। संभवत- नहाने के बाद बाथरूम से बाहर आते समय पैर स्लिप से वह मुंह के बल फर्श पर

गिरीं और उनकी मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक रिषीपुरम फेस-एक निवासी सीमा राय पत्नी नरेशचन्द्र राय (61) विंध्याचल भवन स्थित एनआईसी (राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र) से रिटायर्ड थीं। करीब एक साल पहले उनके पति का देहांत हो गया था। उनकी बेटी पुणे में रहकर नौकरी करती हैं जबकि बेटा भी अपनी पत्नी के साथ पुणे में सेटल है। सीमा राय यहां अकेली रह रही थीं। दो-तीन दिन से पुणे में रहने वाला बेटा और बेटी उन्हें फोन कर रहे थे लेकिन कॉल रिसीव नहीं हो रहा था। विगत 17 फरवरी को बेटे ने अपने कजिन से बात कर देखने के लिए कहा। सोमवार देर रात कजिन रिषीपुरम स्थित घर पहुंचा तो मेन गेट भीतर से बंद मिला। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई थी। कांच तोड़कर मेनगेट की चटखनी खोली गई। ऊपरी फ्लोर पर जाकर देखा तो बेडरूम का दरवाजा खुला पड़ा था। कमरे के भीतर बाथरूम का दरवाजा भी खुला था और बाथरूम का पानी कमरे में भी पड़ा था। बिस्तर के पास महिला वस्त्रहीन हालत में मुंह के बल पड़ी थीं। उनके माथे पर लगी चोट से बहता खून जम चुका था। थाना प्रभारी रतनलाल सिंह परिहार ने बताया कि एफएसएल टीम ने बारीकी से मौका-मुआयना किया है। प्रथम दृष्टया प्रतीत हो रहा है कि महिला नहाकर बाथरूम से बाहर आई होंगी। फर्श पर पानी की वजह से उनका पैर स्लिप हुआ और वह मुंह के बल फर्श पर जा गिरीं। माथे की चोट भी ऐसी ही लग रही है। मौत के सही कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। पुणे में रहने वाले बच्चों को सूचना दे दी गई थी।

**चारों ओर ग्रिल से कवर है घर** - पुलिस ने बताया कि रिषीपुरम कॉलोनी स्थित सीमा राय के मकान को चारों ओर से लोहे की ग्रिल से कवर किया हुआ है। दरवाजे के अलावा कहीं से भी भीतर प्रवेश करने की जगह नहीं है। मेनगेट के पास कांच तोड़कर दरवाजे की चटखनी खोली गई थी। ऐसा बताया जा रहा है कि सीमा राय यहां अकेली रहती थीं इसलिए सुरक्षा की दृष्टि से घर को अभेद किले की तरह बना दिया गया था।

### दहेज प्रताड़ना से तंग आकर नवविवाहिता ने लगाई फांसी

**भोपाल।** छोला मंदिर के प्रीत नगर इलाके में करीब साढ़े तीन माह पूर्व नवविवाहिता की फांसी लगाकर आत्महत्या करने के मामले में पति के खिलाफ दहेज हत्या का प्रकरण दर्ज किया है। एसीपी द्वारा की गई जांच में खुलासा हुआ है कि दहेज प्रताडना से तंग आकर नवविवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या की थी। आरोपी पति मोटरसाइकिल की डिमांड कर परेशान कर रहा था। जबकि घटना के समय पति ने कहा था कि उसकी पत्नी मिर्गी के दौरे पडने के कारण डिप्रेशन में आ गई थी। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक प्रीत नगर छोला मंदिर निवासी अंजली अहिरवार (22) का विवाह साल 2023 में सौरभ अहिरवार से हुआ था। सौरभ प्राइवेट काम करता है। विगत 30 अक्टूबर 2024 को अंजली ने अपने दुपट्टे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी। सूचना पर पहुंची पुलिस को पति ने बताया था कि उसकी पत्नी को मिर्गी के दौरे पड़ते थे। इस कारण वह डिप्रेशन में आ गई थी। आत्महत्या करने से पहले भी उसे दौरा पड़ा था।

## शराब की बंद दुकान के सामने बदमाशों का उत्पात, कर्मचारी को पीटकर किया बेहोश

**भोपाल।** ऐशबाग थाना क्षेत्र स्थित सुभाष नगर कम्पोजिट शराब की दुकान के सामने सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात दो मोटरसाइकिलों पर सवार होकर आए बदमाशों ने जमकर उत्पात मचाया। बदमाश शराब की डिमांड कर रहे थे जबकि दुकान के अंदर सो रहे गद्दीदार और अन्य कर्मचारियों ने कहा था कि दुकान बंद हो चुकी है। इस पर बदमाशों ने एक कर्मचारी के साथ मारपी करते हुए उसकी कनपटी पर एक बड़ा सा पत्थर दे मारा। कर्मचारी मौके पर ही बेहोश हो गया था। उत्पात मचाने के बाद बदमाश वहां से भाग खड़े हुए। पुलिस ने गद्दीदार की शिकायत पर प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक मूलरूप से इन्द्रा कॉलोनी शिवपुरी निवासी विनोद नामदेव (42) यहां सुभाष नगर में रहते हैं और सुभाष नगर फाटक के पास कम्पोजिट शराब की दुकान पर गद्दीदार का काम करते हैं। विगत 17-18 फरवरी की दरमियानी रात करीब एक बजे शराब की दुकान बंद थी। विनोद और साथ काम करने वाले मंटू कुमार सिंह, पवन शिवहरे व विक्की के साथ दुकान के अंदर सो रहे थे।

## घर के पास खड़ी मोटरसाइकिल ले उड़े बदमाश

**भोपाल।** राजधानी में दोपहिया वाहन चोरी होने का सिलसिला जारी है। जहांगीराबाद इलाके में घर के पास सड़क किनारे खड़ी एक युवक की बाइक चोरी हो गई। कई अन्य स्थानों से भी दोपहिया वाहन चोरी हुए हैं। पुलिस के मुताबिक दीपक सिंह (24) पुरानी गल्ला मंडी के पास थाना जहांगीराबाद में रहता है और कंबल बेचने का काम करता है। दो दिन पहले उसके पिताजी बाइक लेकर काम पर गए थे, जहां से शाम को वापस लौटे और घर के पास गाड़ी लॉक करके खड़ी कर दी। कुछ देर बाद दीपक गाड़ी उठाने पहुंचा तो वह गायब हो चुकी थी। आसपास तलाश करने के बाद भी जब बाइक का कुछ पता नहीं चला तो उसने थाने जाकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। इधर गोविंदपुरा थानांतर्गत कस्तूरबा नगर में रहने वाले सत्यम मिश्रा के घर के सामने खड़ी बाइक चोरी चली गई। इधर पिंक पार्किंग टीटी नगर से रविंद्र सिंह पाल, सबरी नगर मल्टी कमला नगर से सौरभ बैस, कटारा हिल्स स्थित नंद बिहार कालोनी मल्टी से राहुल पथौरिया, शाहजहांनाबाद स्थित एलबीएस अस्पताल की पार्किंग से बनवारी मीणा, कोहेफिजा थानांतर्गत हलालपुरा पटाखा मार्केट से शिवप्रसाद बाल्मीकि और निशातपुरा थानांतर्गत राजवाड़ा गार्डन की पार्किंग से विक्की जाटव की बाइक चोरी हो गई।

## अवैध शराब के खिलाफ हुई आबकारी विभाग की कार्रवाई

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

आबाकारी विभाग द्वारा अवैध शराब की तस्करी करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। सहायक आबकारी आयुक्त दीपम रायचूरा के निर्देश पर आबकारी की टीम ने गांधी नगर स्थित नई बस्ती विकास नगर में दबिश देकर बड़ी मात्रा में हाथभट्टी शराब नष्ट करवाई। आबकारी कंट्रोलर एचएस गोयल ने बताया कि विकास नगर में हाथभट्टी शराब बनाने और बेचने की सूचना मिली थी। आबकारी की टीम ने मौके पर पहुंचकर प्लास्टिक के डिब्बों में भरी करीब 9 लीटर हाथभट्टी शराब को नष्ट करवाया। इस दौरान करीब 170 किलोग्राम गुड़ लाहन बरामद किया गया। सैंपल लेने के बाद उसे भी मौके पर ही नष्ट करवाया गया। इसी प्रकार एक अन्य कार्रवाई के दौरान आरोपी दिशांक पुत्र किशोर निवासी श्यामपुर को स्कूटी के साथ पकड़ा गया। उसके पास से विदेशी शराब जब्त की गई। आरोपी उक्त शराब लेकर बेचने के लिए निकला था, तभी मुखबिर की सूचना पर आबकारी टीम ने उसे दबोच लिया। आबकारी कंट्रोलर श्री गोयल ने बताया कि अवैध शराब के खिलाफ विभाग की यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। इसके पहले टीम ने करीब एक दर्जन ढाबों और रेस्टारेंट दबिश देकर अवैध रूप से शराब पिलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की थी।

## देर रात तक डीजे की गरज-धमक से लोग परेशान, कलेक्टर-एसपी को जांच के निर्देश

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

शहर के एयरपोर्ट रोड देर रात तक डीजे बजने से क्षेत्र की कॉलोनी में रहने वाले लोगों को को डीजे की तेज आवाज के कारण कई तरह की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मप्र मानव अधिकार आयोग के संज्ञान में आया है कि क्षेत्र के आसपास बने निजी स्कूलों एवं अस्पतालों में भी डीजे और साउंड की तेज आवाज के कारण वहां के बच्चों एवं मरीजों को कई तरह की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र के आसपास कई बड़ी संख्या में रेस्टोरेंट, होटल एवं ढाबे आदि संचालित होते है, जिसमें तेज आवाज में डीजे और साउंड बजाये जाते है। डीजे बजाने वालो की शिकायत किये जाने पर वह लोगों को धमकाने आ जाते है। मामले में आयोग ने कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन भी तलब किया है।

### बिना रेडियम-रिफ्लेक्टर वाले डिवाइडर्स से हो रहे हादसे, :

मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल शहर में बिना रेडियम-रिफ्लेक्टर वाले डिवाइडर्स से हादसे होने के मामले में संज्ञान लेते हुए नगर निगम आयुक्त और लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही मामले में आयोग ने की गई कार्यवाही की रिपोर्ट भी अधिकारियों से तलब की है।आयोग के संज्ञान में आया हैकि, रायसेन रोड पर पुल बोगदा से सुभाष चंद्र चौराहे तक बने डिवाइडर से आये दिन सड़क हादसे हो रहे है। शहर में ऐसे 10 से ज्यादा मार्ग है, जहां डिवाइडर पर न तो रेडियम लगे है और न ही रिफ्लेक्टर लगे है। इस कारण इन मार्ग से आवाजाही करने वाले चार एवं दो पहिया वाहन चालकों के साथ सड़क हादसे हो रहे है। विगत एक महीने में 6 बड़ी दुर्घटनाएं

## अखिल भारतीय पुलिस वाटर स्पोर्टस प्रतियोगिता

मध्यप्रदेश पुलिस की भोपाल स्थित बड़ी झील में अखिल भारतीय पुलिस वाटर स्पोर्टस प्रतियोगिता के दूसरे दिन रोइंग 2000 मीटर के महिला एवं पुरूष वर्ग के सेमी फायनल व फायनल सम्पन्न कराये गये। इसके बाद पदक अलंकरण समारोह हुआ इसमें विशेष अतिथि ऱ्स्पेशल डीजी विजय कटारिया, प्रज्ञाऋचा श्रीवास्तव ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल व प्रमाण पत्र प्रदान किए ।

**मेट्रो एंकर** खुद के शरीर पर ब्लेड से वार कर पहुंच गया थाने मौसेरे भाई व एक नाबालिग को दी थी रकम

## प्रेमिका पर लुटाने के लिए पंप के सेल्समैन ने गढी 28 हजार लूट की झूठी कहानी

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

गर्लफ्रेंड पर पैसा खर्च करने व अपनी अन्य जरूरतों को पूरा करने के लिए डीआईजी बंगला स्थित पेट्रोल पंप के सेल्समैन ने 28 हजार रुपए लूट की झूठी कहानी गढ़ी थी। उसने खुद ही अपने हाथ पर ब्लेड से वार कर टी-शर्ट फाड़ ली और गौतम नगर थाने जा पहुंचा। पैसों की जरूरत के लिए उसने लोन के लिए भी अप्लाई कर रखा था। लेकिन जब कहीं से पैसों की जुगाड़ नहीं हुई तो लूट की झूठी कहानी गढक़र कलेक्शन की राशि का गबन कर लिया। पुलिस ने सेल्समैन समेत उसके मौसेरे भाई व एक नाबालिग को हिरासत में लेकर रकम बरामद कर ली है।

पुलिस के मुताबिक चौक थाना कोतवाली निवासी आभास सोगानी (34) काजीकैम्प स्थित सोगानी एनर्जी प्वाइंट पेट्रोल पंप के संचालक हैं। पेट्रोल पंप पर पीयूष यादव (21) बीते डेढ़ साल से सेल्समैन का काम कर रहा था। विगत 17 फरवरी को दोपहर तीन

बजे से रात पौने 8 बजे तक के कलेक्शन के 28 हजार रुपए पीयूष यादव के पास रखे थे। रात को उसने दूसरे सेल्समैन यूनुस खान से कहा कि उसके पेट में बहुत तेज दर्द हो रहा है। वह डीआईजी बंगला चौराहे पर दवाई लेने जा रहा है। यूनुस ने उससे कहा कि कलेक्शन का पैसा लेकर बाहर मत जाओ। मालिक ने मना किया है। लेकिन पीयूष नहीं

### स्कूटर की टक्कर से बुजुर्ग दंपति घायल टक्कर मारने वालों की तलाश कर रही पुलिस

**भोपाल।** जहांगीराबाद स्थित रंभा टाकीज के पास स्कूटर सवार दंपति को दूसरी स्कूटर सवार दो लड़कों ने टक्कर मार दी, जिससे दंपति को गंभीर चोट आई है। पुलिस ने अज्ञात स्कूटर सवार आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोपी स्कूटर सवारों की पहचान के लिए इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देखे जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार राकेश कुमार नामदेव (62) सरस्वती विहार कालोनी ग्राम महोली थाना अयोध्या नगर में रहते हैं और टेलर का काम करते हैं। वह अपनी पत्नी के साथ जहांगीराबाद स्थित डीमार्ट के पास बैंक आए थे। वापस लौटते समय चिकलोद रोड स्थित रंभा टाकीज के पास पीछे से आ रहे स्कूटर सवार दो लड़कों ने उनकी स्कूटर में टक्कर मार दी, जिससे दंपति स्कूटर समेत सड़क पर गिरकर घायल हो गए। राकेश कुमार को गंभीर चोट लगने के कारण निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि उनकी पत्नी मंजूलता को कम चोट आई थी। पुलिस ने एक्सीडेंट का केस दर्ज कर लिया है। डंपर की टक्कर से कार क्षतिग्रस्त भोपाल टॉकीज चौराहे पर एक डंपर ने टक्कर मारकर कार को क्षतिग्रस्त कर दिया। पुलिस के मुताबिक निहाल सिंह चौहान (49) कल्याण नगर छोला मंदिर में रहते हैं और खेती किसानी करते हैं। वह अपनी स्विफ्ट डिजायर कार से सिंधी मार्केट से इमामबाड़ा होते हुए घर जा रहे थे। भोपाल टॉकीज चौराहे पर एक डंपर चालक उनके बगल में पहुंचा और कार के दाहिनी तरफ टक्कर मारते हुए शाहजहांनाबाद थोन की तरफ भाग निकला। टक्कर लगने से ड्राइवर साईड का बम्पर, लाईट और फेन्डर लाइन टूट गई। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 ( *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022